आश्विन कृष्ण - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 78 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 10-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार की नीतियों से देश में बढ़ी अमीरी-गरीबी की खाई : खरगे

6 बालिकाएं कब तक बेचारगी का जीवन जीएंगी?

7 सलमान ने भांजी के साथ शेयर की तस्वीरें

फर्स्ट टेक

बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत

नई दिल्ली/वार्ता। देश में अप्रैल से जून 2023 की तिमाही में बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत दर्ज की गयी है जो इससे पिछले वर्ष 2022 की इसी तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही थी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के सोमवार को यहां जारी तिमाही श्रम बल सर्वेक्षण जून 2023 में कहा गया है कि देश में 15 वर्ष से अधिक आयु के श्रम बल में बेरोजगारी की दर अप्रैल से जून 2023 की अवधि में 6.6 प्रतिशत रही है। आंकडों के अनुसार जनवरी से मार्च 2023 की अवधि में बेरोजगारी की दर 6.8 प्रतिशत रही थी।

अफगानिस्तान को 2 लाख डॉलर की सहायता देगा चीनी

बीजिंग/वार्ता। चीन की रेड क्रॉस सोसाइटी ने कहा कि वह पिछले सप्ताह अफगानिस्तान के पश्चिम में आए विनाशकारी भूकंप के परिणामों को कम करने के लिए अफगान रेड क्रिसेंट को आपातकालीन मानवीय सहायता के रूप में 2 लाख डॉलर प्रदान करेगा। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी रेड क्रॉस सोसाइटी ने राहत और बचाव कोशिशों को सुविधाजनक बनाने के लिए रविवार को इस फैसले की घोषणा की। इससे पहले तालिबान के राजनीतिक कार्यालय (आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के अंतर्गत) के प्रमुख सुहैल शाहीन ने कहा कि अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में भूकंप पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए 10 बचाव दल काम कर रहे हैं, जिनके पास दवा, बुनियादी आवश्यकता और टेंट की कमी है।

थलसेना, वायुसेना ने उत्तरी सिक्किम से करीब 400 पर्यटकों को बचाया

गंगटोक/भाषा। भारतीय वायु सेना और थल सेना ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन और लाचुंग कस्बों से सोमवार को बांग्लादेश के 13 नागरिकों समेत करीब 400 पर्यटकों को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के एमआई-17 और चिनूक हेलीकॉप्टर ने 10 उड़ान भरीं और 354 पर्यटकों को आपदा प्रभावित इलाकों से बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि इन पर्यटकों को पाक्योंग हवाई अड्डा लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि थलसेना ने हेलीकॉप्टर के जरिए लाचेन से 45 पर्यटकों को मंगन स्थानांतरित किया। उन्होंने कहा कि ये पर्यटक बुधवार को मंगन जिले में ल्होनक झील पर बादल फटने के बाद लाचेन और लाचुंग में फंस गए थे। बादल फटने के कारण तीस्ता नदी में बाढ़ आ गई थी, जिसकी वजह से इस हिमालयी राज्य के कई शहर और गांव तबाह हो गए।

न्याय रहित समाज का समाप्त हो जाता है अस्तित्व : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कृषि-खाद्य प्रणालियों को अधिक न्यायसंगत और समावेशी बनाने की जरूरत पर बल देते हुए आज कहा कि न्याय रहित समाज का समृद्धि के बावजूद अस्तित्व समाप्त हो जाता है। राष्ट्रपति ने सोमवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान पर सलाहकार समूह, 'जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म ' और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित 'अनुसंधान से प्रभाव तक: न्यायसंगत और लचीली कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई समाज न्याय रहित है, तो समृद्धि के बावजूद उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब स्त्री-पुरुष समानता की बात आती है, तो सबसे पुरातन विज्ञान के रूप में पहचानी जाने वाली कृषि, आधुनिक समय में भी कमजोर स्थिति में है। कोविड महामारी ने कृषि-खाद्य प्रणालियों और समाज में संरचनात्मक असमानता के बीच एक सुदृढ़ संबध को भी सामने ला दिया है। उन्होंने कहा कि महामारी के दिनों में पुरुषों की तुलना में, महिलाओं को अधिक संख्या में नौकरियां गंवानी पड़ी और इससे उनका पलायन शुरू हुआ।

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक स्तर पर महिलाओं को लंबे समय तक कृषि-खाद्य प्रणालियों से बाहर रखा गया है। महिलाएं कृषि प्रणाली का मूल आधार हैं, लेकिन उन्हें निर्णायक भूमिका निभाने के अवसरों से वंचित किया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में, महिलाओं को भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों और ज्ञान, स्वामित्व, संपत्ति, संसाधनों तथा सामाजिक नेटवर्क में बाधाओं के रूप में आगे बढ़ने से रोका जाता है और पीछे धकेला जाता है।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान, तेलंगाना, मिजोरम में चुनाव की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। चुनाव आयोग ने पाँच राज्यों में चुनाव की घोषणा की जिसमें छत्तीसगढ़ को छोड़कर बाकी चार राज्यों में एक-एक चरण में ही चुनाव संपन्न होंगे और चुनाव परिणाम तीन दिसंबर को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव की तारीख़ों का एलान करते हुए सोमवार को कहा कि मिजोरम में सात नवंबर, छत्तीसगढ़ में सात और 17 नवंबर, मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 23 नवंबर जबकि तेलंगाना में 30 को मतदान होंगे। उन्होंने कहा कि कुल 16.14 करोड़ मतदाता इन चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 8.2 करोड़ पुरुष मतदाता, 7.8 करोड़ महिला मतदाता होंगे। इस बार 60.2 लाख नए मतदाता पहली बार मतदान डालेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि 17 अक्टूबर को वोटिंग लिस्ट जारी होगी और 23 अक्टूबर तक मतदाता सूची में सुधार का मौका मिलेगा।

कुमार ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए 679 विधानसभा क्षेत्रों में 1.77 लाख मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। 17,734 मॉडल मतदान केंद्र होंगे। आठ हजार 192 मतदान केंद्रों पर महिलाएं कमान संभालेंगी। उन्होंने कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को तीन बार अखबारों में अपनी जानकारी विज्ञापित करानी होगी। वहीं राजनीतिक दलों को भी बताना पड़ेगा कि ऐसे प्रत्याशियों को टिकट देने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था।

चुनाव आयोग के अनुसार मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए 17 नवंबर को मतदान होंगे। मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। चुनाव के लिए अधिसूचना 21 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख दो नवंबर होगी। इसी प्रकार राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 23 नवंबर को होंगे।

देश के भविष्य के लिए जातीय जनगणना जरुरी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के गरीब, आदिवासी, दलितों और ओबीसी के लिए जाति जनगणना को जरूरी बताते हुए कहा है कि कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कार्य समिति-सीडब्ल्यूसी ने सर्वसम्मति से जाति जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। गांधी ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में जिसकी जितनी आबादी है उसे सत्ता में उसी हिसाब से भागीदारी मिलनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए जातीय जनगणना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ओबीसी के लिए काम नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि वह देश के दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को उनका हिस्सा नहीं देना चाहते हैं इसलिए जाति जनगणना नहीं करवा रहे हैं। उनका कहना था कि देश के विभिन्न संस्थानों में आदिवासी, दलित, ओबीसी कितना है इसकी जनगणना होनी जरूरी है और उनकी आर्थिक हैसियत क्या है इसका भी सर्वे कराया जाना चाहिए।

गांधी ने जातीय जनगणना नहीं करने के लिए मोदी पर सीधा हमला किया और कहा कि प्रधानमंत्री जातीय जनगणना कराने में असमर्थ हैं।

भारत तंजानिया बने रणनीतिक साझीदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भारत एवं तंजानिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी में बदलने तथा रक्षा क्षेत्र एवं आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में परस्पर सहयोग को बढ़ाने की आज घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के बीच यहां हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक में ये फैसले लिये। दोनों देशों के बीच परस्पर सहयोग के छह समझौतों पर भी हस्ताक्षर किये गये। दोनों देशों ने भारत तंज़ानिया रणनीतिक साझीदारी कायम करने के साथ ही स्मार्ट पोर्ट, अंतरिक्ष, जैवप्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैमानिकी प्रबंधन जैसे नये क्षेत्रों में आईटीईसी की एक हजार अतिरिक्त स्लॉट खोलने, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की छात्रवृत्तियां 70 से बढ़ा कर 85 करने की घोषणाएं भी कीं।

दोनों देशों ने जिन छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये उनमें डिजीटल समाधान के क्रियान्वयन, व्हाइट शिपिंग पर सूचनाओं के आदान प्रदान, सांस्कृतिक आदान प्रदान, खेलों के क्षेत्रों में सहयोग, तंज़ानिया में एक औद्योगिक पार्क की स्थापना और समुद्री परिवहन के क्षेत्र में सहयोग के करार शामिल हैं।

बाद में श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा, आज का दिन भारत और तंज़ानिया के संबंधों में एक ऐतिहासिक दिन है। आज हम अपनी सदियों पुरानी मित्रता को रणनीतिक साझीदारी के सूत्र में बाँध रहे हैं। आज की बैठक में हमने इस भावी रणनीतिक साझेदारी की नींव रखते हुए कई नई पहलों की पहचान की है। भारत और तंज़ानिया आपसी व्यापार और निवेश के लिए एक दूसरे के महत्वपूर्ण साझीदार हैं। दोनों पक्ष स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने के लिए एक समझौते पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए हम नए अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्टॉकहोम/एपी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को श्रम बाजार में स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव संबंधी समझ को बेहतर बनाने के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने सोमवार को यहां पुरस्कार की घोषणा की। गोल्डिन इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाली तीसरी महिला हैं। अर्थशास्त्र विज्ञान क्षेत्र में पुरस्कार विजेता का चयन करने वाली समिति के प्रमुख जैकब स्वैनसन ने कहा, ''श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका को समझना समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत को स्विट्जरलैंड से अपने और नागरिकों, संगठनों के बैंक खातों का ब्यौरा मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बर्न/भाषा। भारत को सालाना आधार पर सूचनाओं के स्वत: आदान-प्रदान की व्यवस्था के तहत स्विट्जरलैंड से अपने और नागरिकों और संगठनों के स्विस बैंक खातों का ब्योरा मिला है। स्विट्जरलैंड ने 104 देशों के साथ करीब 36 लाख वित्तीय खातों का विवरण साझा किया है। अधिकारियों ने बताया कि स्विट्जरलैंड और भारत के बीच सूचनाओं का यह पांचवां वार्षिक आदान-प्रदान है। भारतीय अधिकारियों के साथ साझा किया गया नया विवरण ''सैकड़ों वित्तीय खातों'' से संबंधित हैं, जिनमें कुछ लोगों, कॉरपोरेट और न्यास (ट्रस्ट) से जुड़े खातों की जानकारी है।

साझा किए गए विवरण में पहचान, खाता और वित्तीय जानकारी शामिल है। इसमें नाम, पता, निवास का देश और कर पहचान संख्या के साथ ही रिपोर्टिंग वाले वित्तीय संस्थान, खाता शेष तथा पूंजीगत आय से संबंधित जानकारी शामिल है।

अधिकारियों ने सूचना के आदान-प्रदान की गोपनीयता से जुड़े नियमों और आगे की जांच पर इसके प्रतिकूल प्रभाव का हवाला देते हुए आदान-प्रदान के जरिये मिली जानकारी या किसी अन्य विवरण में शामिल राशि का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस ब्योरे का इस्तेमाल कर चोरी, धनशोधन और आंतकवाद के वित्तपोषण सहित अन्य गलत कृत्यों की जांच के लिए किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने चंद्रबाबू नायडू की तीन जमानत याचिकाओं को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा विभिन्न मामलों में दायर तीन जमानत याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। नायडू ने अमरावती इनर रिंग रोड और अंगल्लू हमला मामलों में जमानत और 'फाइबर नेट' मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए अदालत का रुख किया था। अमरावती इनर रिंग रोड मामला नायडू के शासन के दौरान राजधानी शहर अमरावती के मास्टर प्लान में कथित रूप से 'हेरफेर' करने तथा कई कंपनियों को कथित तौर पर अनुचित रूप से लाभ की पेशकश करने से संबंधित है। अंगल्लू मामला अगस्त में तेदेपा प्रमुख द्वारा निकाली गई एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए दंगों से जुड़ा है। अन्नामय्या जिले के अंगल्लू और चित्तूर जिले के पुंगानुरु में पथराव, आगजनी और दंगे में तेदेपा और सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के समर्थक और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

सूर्यास्त	सूर्योदय
10-10-2023 6:04 बजे	11-10-2023 6:09 बजे

BSE	NSE
65,512.39	19,512.35
(-483.24)	(-141.15)

सोना	चांदी
5,992 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	70,730 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

टिकट का रगड़ा

क्या जनप्रतिनिधि भी होता है,
सोचो अगड़ा या फिर पिछड़ा।
वोटों के चस्के ने ही बस,
फैलाया है सारा रगड़ा।
दें टिकट योग्य को सभी अगर,
तब होगा खत्म सभी झगड़ा।
ऐसा वे ना होने देंगे,
जिनको सत्ता लालच तगड़ा।।

इजराइली सेना ने गाजा पट्टी पर हमले तेज किए

इजराइल के रक्षा मंत्री ने गाजा पट्टी की 'पूर्ण घेराबंदी' का आदेश दिया

यरूशलम/भाषा। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने सोमवार को गाजा पट्टी की ''पूर्ण घेराबंदी'' का आदेश देते हुए कहा कि अधिकारी बिजली आपूर्ति ठप कर दें और वहां भोजन व ईंधन नहीं पहुंचने दें। इजराइल पर हमास के हमले में दो दिनों में 700 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है। गैलेंट इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) की दक्षिणी कमान में परिचालन तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। इस बैठक में दक्षिणी कमान के प्रमुख मेजर जनरल यारोन फिंकलमैन भी मौजूद हैं। एक बयान में गैलेंट के हवाले से कहा गया, ''मैंने एक आदेश दिया है कि गाजा की पूर्ण घेराबंदी की जाए। वहां बिजली आपूर्ति ठप की जाए और भोजन या ईंधन नहीं पहुंचने दिया जाए। हम बर्बर आतंकियों से लड़ रहे हैं और उचित जवाबी कार्रवाई करेंगे।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। हमास की 'सैन्य और शासन क्षमता' को नष्ट करने के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऐलान के बीच इजराइल की सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी पर हवाई हमले तेज कर दिए और सीमा पर लगी बाड़ के जरिए सेंध लगाने की आशंकाओं को टालने के लिए वहां टैंक तैनात करते हुए हमास आतंकवादियों की तलाश में अपने जवानों को दक्षिण की तरफ रवाना कर दिया। इजराइल सरकार ने रविवार को हमास के खिलाफ युद्ध की औपचारिक घोषणा करते हुए आतंकवादी समूह के अप्रत्याशित हमलों का बदला लेने के लिए 'अहम सैन्य कदम' उठाने को मंजूरी दी।

वहीं, हमास के आतंकवादियों ने भी इजराइल पर रॉकेट दागना जारी रखा है, जिससे यरूशलम से लेकर तेल अवीव तक हवाई हमलों के प्रति अलर्ट करने वाले सायरन बज रहे हैं। इजराइल और हमास के बीच ताजा संघर्ष में दोनों पक्षों के मृतकों की संख्या 1,200 के पार चली गई है और हजारों लोग घायल हुए हैं। इजराइल में लगभग 700 लोगों के, जबकि गाजा पट्टी में करीब 500 फलस्तीनियों के मारे जाने की खबर है।

फलस्तीनी आतंकवादी समूहों ने इजराइल के 130 लोगों को बंधक बनाने का दावा किया है। इस बीच, इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने गाजा की 'पूर्ण घेराबंदी' का आदेश देते हुए कहा है कि अधिकारी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप कर दें और वहां भोजन तथा ईंधन आपूर्ति रोक दें। वर्ष 2007 में हमास द्वारा प्रतिद्वंद्वी फलस्तीनी बलों से सत्ता छीनने के बाद से इजराइल और मिस्र ने गाजा पट्टी पर विभिन्न स्तर के प्रतिबंध लगाए हैं।

इजरायल के समर्थन में युद्धपोत, लड़ाकू विमान भेज रहा है अमेरिका : ऑस्टिन

वाशिंगटन/वार्ता। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने रविवार को कहा कि हमास लड़ाकों के साथ संघर्षरत इजरायल के समर्थन में उनका देश पूर्वी भूमध्य क्षेत्र में युद्धपोत और लड़ाकू विमान भेज रहा है। ऑस्टिन ने अपने बयान में कहा कि यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को पूर्वी भूमध्य सागर की ओर जाने का निर्देश दिया गया है, जिसमें एक विमान वाहक, एक निर्देशित मिसाइल क्रूजर और चार निर्देशित मिसाइल विध्वंसक शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय मुख्यालय पेंटागन ने उस क्षेत्र में अमेरिकी वायु सेना के एफ-35, एफ-15, एफ-16 और ए-10 लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन को आगे बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका इजरायल रक्षा बलों को युद्ध सामग्री सहित अतिरिक्त उपकरण और संसाधन तेजी से उपलब्ध कराएगा।

यूरोपीय संघ ईयू के अपराध को बख्शेगा नहीं

यरूशलम/वार्ता। इज़रायल ने शनिवार को फिलीस्तीन उग्रवादी संगठन हमास के हमले के पीछे ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया है और इस गठजोड़ को पराजित करने के इरादे का इज़हार करते हुए कहा है कि वह इस अपराध को भूलेगा नहीं। इज़रायल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने आज यहां देर शाम को इंटरनेट के माध्यम से वैश्विक मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि इज़रायल इस समय युद्ध के बीच है और वह अबतक के सबसे भयावह दौर से गुज़र रहा है। कोहेन ने कहा कि हमने देखा कि हज़ारों हमास आतंकवादियों ने सीमापार करके इज़रायल के सैनिकों पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि बीते दशकों में ऐसा हमला कभी नहीं देखा गया। रूस यूक्रेन युद्ध में भी इतनी क्रूरता नहीं हुई, जितना बीते दो दिन में हमास ने दिखायी है। उन्होंने कहा, हमास दरअसल ईरान का पिट्ठू है। पूरी दुनिया ने देखा है कि हमास क्या है। विश्व हमास को इतनी आसानी से कभी माफ नहीं कर सकता है।

श्रेष्ठता का सबसे बड़ा मापदंड ज्ञान और चरित्र ही है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. के सान्निध्य में पुच्छीसुणं का संपुट्ट जाप का आयोजन चल रहा है। महासती ने उन्नीसवीं गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। जाप के बाद में गाथा का विवेचन करते हुए साध्वीश्री अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि परमात्मा महावीरस्वामी ने ज्ञान, दर्शन और चरित्र के प्रभाव से ज्ञानवरणीय आदि समस्त कर्मों को क्षय करके सर्वोत्तम गति अर्थात सिद्ध पद को प्राप्त किया। आगम में तीन प्रकार की आत्माएं बताई गई है। प्रथम बहिरात्मा, जो पर पदार्थ में सुख ढूंढते हैं दूसरी अंतरात्मा, जो आत्मरमण करते हैं। आत्मा ही आनंद का एकमात्र स्थान है। तीसरी परमात्मा जो आत्मा विशुद्ध हो जाती है वह आत्मा परम शक्ति रूप है। जहां जन्म, जरा, मरण नहीं। भय नहीं, रोग, शोक नहीं। दुख दरिद्र नहीं, ऐसी होती है परमात्मा। उन आत्माओं ने इच्छाओं का संपूर्ण निरोध कर परमात्मा पद प्राप्त कर दिया है।

साध्वीश्री ने कहा कि जैसे वृक्षों में शाल्मली का वृक्ष जगत प्रसिद्ध है जहां संपूर्ण जाति के देव आनंद का अनुभव करते हैं तथा जैसे वनों में नंदनवन श्रेष्ठ हैं। उसी प्रकार ज्ञान और चरित्र में अनंत ज्ञानी महाश्रमण महावीर को सबसे सर्वश्रेष्ठ कहा गया है। श्रेष्ठता का सबसे बड़ा मापदंड ज्ञान और चरित्र ही है। ज्ञान और चरित्र के बिना व्यक्ति का जीवन ऊपर नहीं उठ सकता। ज्ञान का अर्थ है जानना। चरित्र का अर्थ है आचरण करना।

ज्ञान और क्रिया की संयुक्ति हो जाने पर ही जीव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। ज्ञान और चरित्र मोक्ष को साधने के साधन है। इन साधनों से संपन्न व्यक्ति ही जगत में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति है।

साध्वी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। पुच्छीसुणं जाप के लाभार्थी हीराचंद पंकजकुमार विशालकुमार पारख परिवार थे। सहमंत्री विनोद भूरट ने संघ की सूचनाएं प्रदान की।

स्मार्ट पॉलिसी स्ट्राइकर्स टीम बनी जेसीआई कॉस्मो प्रीमियर लीग की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो द्वारा बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता कॉस्मो प्रीमियर लीग 3.0 का आयोजन किया गया। अध्यक्ष दिनेश मरोठी ने सभी प्रायोजकों, टीम मालिकों एवं खिलाड़ियों का स्वागत किया। आठ टीमों वाले लीग मैच की अंक तालिका में टॉप चार रहने वाली चावत रॉयल्स, गुच्ची गैंग, स्मार्ट पॉलिसी स्ट्राइकर्स व कुमट वॉरियर्स टीमें सेमीफ़ाइनल में पहुँची। फाइनल मैच में स्मार्ट पॉलिसी स्ट्राइकर्स ने गौतम खाब्या और दीक्षित जैन के शानदार बल्लेबाज़ी के बदौलत मैच जीतकर कॉस्मो प्रीमियर लीग की विजेता बनी। कुमट वॉरियर्स टीम उपविजेता बनी। विजेता व उपविजेता टीम को प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक गुरु पुनवानी के निदेशक संजय बैद एवं कॉस्मो अध्यक्ष दिनेश मरोठी ने कप भेंट किया। श्रेष्ठ बल्लेबाज़ का पुरस्कार गौतम जैन, श्रेष्ठ गेंदबाज़ का पुरस्कार दीक्षित जैन एवं मैन ऑफ़ दि सीरीज़ का पुरस्कार गौतम जैन को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक संजय बैद, टीम मालिक रूपचंद कुमट, मनीष चावत, प्रकाश बैद, आशीष तातेड, शेयरिंग स्माइल्स, वीर पिटस्टॉप और मदन जैन को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष गौतम बोथरा, कार्यक्रम समन्वयक उर्वशी पुगलिया, अंश कोठारी, कार्यक्रम निदेशक प्रवीण जैन, मनीष भंडारी, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, सचिव कैलाश जैन आदि का विशेष सहयोग रहा। टूर्नामेंट में जोन 14 अध्यक्ष यशस्विनी, उपाध्यक्ष आशा जैन सहित पूर्व अध्यक्ष रतन जैन, मदन जैन, गौरव जैन आदि की विशेष उपस्थिति रही। आभार ज्ञापन सहसचिव कैलाश जैन ने किया।

'एक शाम गौ माता के नाम' भजन संध्या में बही भजनों की रसधारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। भगवान हनुमान की जन्मस्थली किष्किंधा पहाड़ी पर स्थित श्री दुर्गा देवी गौशाला आनेगुंदी में रविवार को 'एक शाम गौ माता के नाम' विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें गौशाला के प्रमुख ब्रह्मानंद स्वामी, राजणस्वामी, मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक जनार्दन रेड्डी, गौ सेवक महेंद्र मुणोत, राज परिवार से कृष्ण देवरायालु, पूर्व विधायक परना मनावली, पूर्व विधायक बसवराज दंड सोगरा एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर महेंद्र मुणोत द्वारा निर्मित एवं अभिनीत नाडगीते 'जय भारत जननी तनुजाते' की विशेष प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने हचेवु कन्नाडा दि दीपा एवं धरनी मंडल पुण्यकोटी गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। भजन संध्या में राजस्थान से आए हुए प्रसिद्ध भजन कलाकार ओममुंडेल एवं रमेश माली ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। मुणोत ने गाय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को गौ सेवा में अपने हाथ आगे बढ़ाने का आवाहन किया। ब्रह्मानंदस्वामी जी ने सभी अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर शिव गौ सेवा मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट बेंगलूरु के हनुमान माली एवं गंगावती राजस्थान समाज के प्रतिनिधियों का सम्मान किया।

पोरवाल संघ का सम्मेलन व क्षमापना समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु पोरवाल संघ द्वारा सम्मेलन एवं क्षमापना समारोह को आयोजन नेलमंगला स्थित गुब्बी गुड्डी रिसोर्ट में किया गया। समारोह में पोरवाल परिवार के अनेक सदस्य परिवारों ने भाग लिया। अध्यक्ष रमेश पोरवाल ने सभी का स्वागत किया और सचिव गौतम पोरवाल संचालन करते हुए ने पिछले वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी दी। समारोह में मानवसेवा व समाजसेवा के कार्यों को गति देने पर चर्चा हुई। सभी ने एक दूसरे से सामूहिक क्षमायाचना की। बसों के लाभार्थी परिवार कीर्ति विमलचंद पोरवाल, दिलीप पीयूष पोरवाल, जितेंद्र जिनेश पोरवाल, सोहनलाल लवीश पोरवाल ने लाभ लिया। अल्पाहार के लाभार्थी परिवार चंद्रप्रकाश रितेश पोरवाल परिवार ने लाभ लिया और लाभार्थियों के सम्मान का लाभ मोहनलाल राजकुमार परिवार ने लिया। सामूहिक जय जिनेंद्र का लाभ मोहनलाल अविनाश परिवार ने लिया। सामूहिक क्षमापना के लाभार्थी लोकेश, नमन पोरवाल परिवार ने लिया। प्रातः भोजन के लाभार्थी बाबूलाल जसवंतराज शांतिलाल पारसमल पोरवाल परिवार एवं हाईटी के लाभार्थी वसंतराज हरीश विनोदकुमार पोरवाल परिवार ने लिया। सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष शांतिलाल जैन, कोषाध्यक्ष राजेश जैन, कमेटी के चंद्रप्रकाश, प्रवीण, ललित, विनोद, हेमंत पोरवाल ने व्यवस्था संभाली।

बीकानेर जैन परिषद का हुआ गठन व प्रथम साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को तेरापंथ भवन विजयनगर में बीकानेर जैन परिषद का गठन किया गया तथा प्रथम साधारण सभा का आयोजन किया गया। इस परिषद का लक्ष्य उदासर, बीकानेर, गंगाशहर, नाल, भीनासर, उदरामसर के बेंगलूरु में प्रवासित जैन समाज के सदस्यों को जोड़ते हुए पारस्परिक मेलजोल को बढ़ावा देना है।

साधारण सभा में स्थानकवासी, मंदिरमार्गी, तेरापंथी सभी जैन मान्यताओं को मानने वाले सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर विनोद पारख, कन्हैयालाल छाजेड, श्रेयांस गोलछा, रणजीत चोपड़ा, सुमीत बड़ेरा, नथमल सेठिया, पवन डागा, सुनील सामसुखा, पुनीत हीरावत आदि ने परिषद की प्रगति, संगठन एवं भविष्य के कार्यक्रमों के आयोजन पर सुझाव दिए। बैठक में दीपावली स्नेह मिलन पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में सदस्यता अभियान को गति देने पर आम सहमति बनी परिषद के संरक्षक व कमेटी के सदस्यों की नियुक्ति की गई। बैठक का संचालन विकास बाँठिया ने किया एवं आभार कमलेश चोपड़ा ने किया।

मनुष्य का कर्तव्य है कि वह सामाजिक नियमों का पालन करे : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि मानव जीवन में सदाचरण का बहुत बड़ा महत्व है। मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह सामाजिक नियमों का पालन करे। सामने वाले व्यक्ति से ऐसा व्यवहार करे, जिससे आत्मीयता की भावना जाग्रत हो। हम जैसा व्यवहार दूसरे के साथ करेंगे वैसा ही व्यवहार दूसरे भी हमारे साथ करेंगे। इसलिए दूसरे से अच्छे व्यवहार की अपेक्षा करने से पहले हमें सामने वाले के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हमारा व्यवहार हमारे आचरण पर निर्भर करता है। यदि आचरण शुद्ध हो तो व्यवहार स्वत: सुधर जाता है। व्यवहार और आचरण को हमारे पारिवारिक संस्कार और सामाजिक व्यवस्थाएं प्रभावित करती हैं। आचरण से हमारा व्यवहार प्रभावित होता है तो व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा। सच बोलना, किसी को दुख न पहुंचाना, बड़ों का सम्मान करना और नैतिक मूल्यों की रक्षा करना जैसी सारी बातें आचरण की पवित्रता में आती हैं। आचरण की शुचिता और व्यवहार की आत्मीयता से न केवल व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठा मिलती है, बल्कि उसका आध्यात्मिक विकास भी होता है। मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा आदि ने अतिथियों का सम्मान किया।

चंद्रशेखर राव एक बार फिर तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनेंगे : ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को उम्मीद जताई कि 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव एक बार फिर तेलंगाना की सत्ता में लौटेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा तेलंगाना सहित पांच राज्यों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद ओवैसी ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी पहली बार राजस्थान में चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इंशा अल्लाह (ईश्वर की इच्छा से) केसीआर फिर से तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनेंगे। हमारी पार्टी के उम्मीदवार जिस भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, वहां सफल होंगे।'' हैदराबाद से लोकसभा के सदस्य ने कहा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने पहले ही राजस्थान में तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और जल्द ही तेलंगाना में भी उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजे एकतरफा बीआरएस के पक्ष में होंगे: रामाराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री के.टी. रामाराव ने सोमवार को उम्मीद जताई कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे एकतरफा उनकी पार्टी के पक्ष में होंगे और के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे।

केटीआर के नाम से मशहूर रामाराव ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि जनता ने दो बार जिताया है और तीसरी बार जिताने के लिए तैयार है।

उन्होंने संदेश में कहा, तीन दिसंबर को घोषित होने वाले परिणाम में केसीआर को तीसरी बार जीत मिलेगी। एक सक्षम नेता की ताजपोशी के साथ यह दक्षिण भारत में एक नया अध्याय होगा। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा और तीन दिसंबर को मतगणना होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में गांधीवादी सिद्धांत सर्वप्रिय है और गोडसे दर्शन के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस बार 100 से अधिक सीटें जीतकर पुराने रिकॉर्ड तोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लड़ाई छोड़ चुकी है जबकि भारतीय जनता पार्टी ने लड़ाई शुरू होने से पहले ही छोड़ दी थी।

युवा मित्र मंच ने गुरुदर्शन यात्रा के दौरान विभिन्न साधु साध्वियों के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सकल युवा मित्र मंच मंजूनाथनगर, शिवनगर, बसवेश्वरानगर, महालक्ष्मीले आउट के सदस्यों ने बस द्वारा सर्वपंथ गुरुदर्शन यात्रा संघ का आयोजन किया। सबसे पहले पुष्पांजलि अपार्टमेंट में विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी, अक्कीपेट में विराजित साध्वी प्रतिभाश्रीजी, वीवीपुरम में विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, बसवनगुड़ी में विराजित सुलोचनाश्रीजी, गणेश बाग में विराजित साध्वीश्री विजयलताश्रीजी व श्रीरामपुरम में विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी के दर्शन किए तथा सभी साधु साध्वियों ने चातुर्मास के बाद मंजूनाथनगर स्थित जैन भवन पधारने का निवेदन किया। सभी यात्री गोड़वाड़ भवन में आयोजित पुष्परमुनिजी के 114वें जयंती महोत्सव में भी शामिल हुए। यात्रा में संघवी उत्तमचन्द आच्छा, राकेश दलाल, उत्तम बाघमार, रेखराज सांडबोहरा, दिनेश छाज़ेड, माणक धानेशा, पारसमल दांतेवाड़िया, बिंजाराम, हर्ष कोठारी, मिलन बाघमार, प्रथम बाघमार आदि शामिल थे।

'ज्ञान से ही सच्ची समझ और समझदारी आती है'

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम, श्रीरामपुरम में विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सरस्वती की जरूरत सबको पड़ती है उनकी आराधना,साधना व नाम का स्मरण व जप करने से विद्या, ज्ञान व बुद्धि की प्राप्ति होती है। आचार्य बप्पभट्टीसूरीश्वरजी ने भी सरस्वती माता की साधना की है जिन्होंने छोटी ही उम्र में ऐसे सरस्वती माता की साधना करके उनकी आराधना करके शासन के महान कार्य एवं अनेक राजाओं को भी प्रतिबोध किया। छोटी ही उम्र में उन्होंने दीक्षा अंगीकार करने के बाद में सरस्वती माता का जाप किया तथा अनेक जिनशासन के कार्य किए। सरस्वती माता के जाप से जिह्वा पर सरस्वती माता का वास रहता है और वचन सिद्ध हो जाता है। जो भी बोलते हैं वह सच हो जाता है।

मुनिश्री ने कहा कि श्रीरामपुरम संघ के तत्वावधान में 15 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक सरस्वती माता का जाप अनुष्ठान होने जा रहा है। इस अनुष्ठान से जुड़कर हमें अपनी आत्मा का कल्याण करना है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने भी कहा कि परमात्मा की भक्ति करने के लिए तीन वस्तु चाहिए। सबसे पहले हृदय व मन की शुद्धता। दूसरे भावों की गुणवत्ता तथा आखिरी परमात्मा में विश्वास व पूर्ण श्रद्धा। भगवान के ऊपर पूरा विश्वास होना चाहिए तभी जाकर के हमारी साधना-पूजा निर्मल बनती है।

'कर्मसत्ता से कोई नहीं बच सकता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि व्यक्ति कहीं न कहीं से दुःखी परेशान रहता है। ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय सात्विक उपाय ही हमें शांति-सुविधा और समाधि देने में कारगर होते हैं। वरना व्यक्ति कहीं दूरकर अधिक उलझन में फंसता रहता है। आध्यात्मिक उपाय ही जीवन में मिठास घोलता है। जहां व्यक्ति के सामाजिक जीवन में विवाह की शहनाइयाँ हैं तो मृत्यु का विलाप भी है। हमारे रिश्तों व जीवन में उथल पुथल का मुख्य कारण कर्मोदय ही है। ऐसे में सभी रोगों की एक दवा आध्यात्मिक उपाय ही प्रभावी होते हैं।

इजराइल के हाइफा बंदरगाह पर सभी कर्मचारी सुरक्षित: अडाणी पोर्ट्स

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने सोमवार को कहा कि इजराइल में स्थित हाइफा बंदरगाह पर तैनात उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। फलस्तीन के गाजा पट्टी इलाके पर नियंत्रण रखने वाले समूह हमास ने इजरायल के दक्षिणी इलाकों पर शनिवार को जमीनी एवं हवाई हमले कर दिए। इसके बाद से ही समूचे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

एसबीआई से हरित पहल के लिए कर्ज लेने पर मिलेगी विशेष छूट: चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) कर्ज लेने वालों के लिए जोखिम स्तर के आकलन पर काम कर रहा है, जहां वह हरित पहल के लिए विशेष छूट देता है।

बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने सोमवार को यहां यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैंक जलवायु जोखिमों को कम करने और टिकाऊ वित्तपोषण के लिए अपने 33 लाख करोड़ रुपये के पोर्टफोलियो के कार्बन पदचिह्न को माप रहा है।

चेयरमैन ने यहां उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, ''बैंक स्तर पर हमने अपने कर्जदारों के जोखिम के उस स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है, जहां हम हरित पहल के लिए कुछ विशेष छूट देते हैं।' उन्होंने हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। गौरतलब है कि खारा कंपनियों द्वारा पर्यावरण को बचाने के झूठे वादों (ग्रीन-वॉशिंग) के खिलाफ चेतावनी देते रहे हैं। उन्होंने हरित वित्त के लिए बेहतर परियोजना रिपोर्ट का आह्वान किया ताकि हरित वित्त क्षेत्र को प्रभावित करने वाली सूचना विषमता को कम किया जा सके।

उन्होंने हरित वित्त पारिस्थितिकी तंत्र पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक नीति ढांचे की आवश्यकता पर भी जोर दिया। खारा ने इस संबंध में चार्टर्ड अकाउंटेंट समुदाय से कुछ लेखा मानक तैयार करने को कहा, जो कॉरपोरेट को हरित पहल और उनके नतीजों से संबंधित वार्षिक आंकड़े रखने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरित बॉन्ड बाजार को मजबूत करने की जरूरत है।

सम्मेलन

सोमवार को बेंगलूरु के ज्ञान ज्योति सभागार में ब्रांड बेंगलूरु सम्मेलन के दौरान डीसीएम डीके शिवकुमार अपनी बात रखते हुए।

वेतन विवाद को लेकर पूर्व कर्मचारियों ने रियल एस्टेट ऑफिस में लगाई आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। असंतुष्ट पूर्व कर्मचारियों ने, अपनी हालिया बर्खास्तगी से नाराज होकर, पुट्टेनहल्ली में अपनी पूर्व कंपनी के कार्यालय में आग लगाकर आगजनी की विनाशकारी कार्रवाई का सहारा लिया। यह घटना पुट्टेनहल्ली स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी के परिसर में घटी। इसके बाद, पुट्टेनहल्ली पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक मामला दर्ज किया गया है, जिसमें राहुल पुजारी और लॉसन पीटर जॉन का नाम शामिल है, दोनों पहले कंपनी में कार्यरत थे। इस विनाशकारी कृत्य के परिणामस्वरूप लगभग 11 लाख रुपये की क्षति हुई, साथ ही कार्यालय फर्नीचर को भी काफी नुकसान हुआ।

फिलहाल, जांच शुरू होने तक आरोपी व्यक्ति फरार हैं। विशेष रूप से, राहुल पुजारी और लॉसन पीटर जॉन दोनों ने उमाशंकर और रूपा के स्वामित्व वाली रियल एस्टेट कंपनी में बिक्री प्रबंधक के रूप में काम किया था। परेशानी तब हुई जब आरोपी व्यक्तियों ने कंपनी के एक कर्मचारी रूपा से अपने उचित वेतन की मांग की, जिसने उमाशंकर के साथ उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इस इंकार से बर्खास्त कर्मचारियों का गुस्सा और भड़क गया। 27 सितंबर की सुबह, हमलावर कंपनी के कार्यालय में पहुंचे, हाउसकीपिंग स्टाफ को बाहर निकाल दिया और आग लगाने से पहले परिसर में पेट्रोल छिड़क दिया।

ट्रेनिंग कमांड

जालहल्ली

यलहंका एयरफोर्स

भारतीय वायु सेना की 91वीं वर्षगांठ जोश में मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्र के एयरोस्पेस को सुरक्षित रखने में वायु योद्धाओं की उत्कृष्टता, दृढ़ता, वीरता और अथक प्रयासों के गौरवशाली 91 वर्षों की स्मृति में, भारतीय वायु सेना ने 8 अक्टूबर को अपनी वर्षगांठ मनाई। वर्ष 1932 में मुट्ठी भर पुरुषों और कुछ जहाजों की मदद से स्थापित की गई भारतीय वायुसेना ने परिचालन शक्ति के मामले में बड़ी छलांग लगाई है और यह दुनिया की सबसे बड़ी वायु सेना में से एक है। भारतीय वायुसेना ने प्राकृति और मानव निर्मित आपदाओं के दौरान हर मौसम की स्थिति में इलाके के परवाह किए बिना लोगों को सहायता प्रदान करने में हमेशा आगे रही है।

भारतीय वायु सेना दिवस पर प्रशिक्षण कमान के मुख्यालय में एयर मार्शल आर मूलीश, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान, भारतीय वायुसेना ने वीर योद्धाओं को पुष्पांजलि अर्पित करके युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी वायु योद्धाओं को भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट लोकाचार और प्रमाण को बनाए रखने के लिए एक औपचारिक शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर, ऑफिसर्स मेस में वायु सेना वर्षगांठ रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सहयोगी सेवाओं के प्रतिष्ठित अधिकारी और वरिष्ठ नागरिक गणमान्य व्यक्ति समारोह में शामिल हुए।

वायु सेना स्टेशन जलाहल्ली में भारतीय वायुसेना की वर्षगांठ जोश और उत्साह के साथ मनाई गई। स्मारक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह और प्रशस्ति/प्रशंसा कार्डों का वितरण शामिल था।

वायुसेना स्टेशन यलहंका में 91वीं भारतीय वायुसेना की वर्षगांठ जोश और उत्साह के साथ मनाई गई। स्मारक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें हाफ मैराथन, खेल समापन समारोह, दिग्गजों के लिए दोपहर का भोजन और प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह शामिल थे।

हॉकी इंडिया ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष टीम घोषित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हॉकी इंडिया ने मलेशिया में 27 अक्टूबर से चार नवंबर तक होने वाले सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए सोमवार को 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा जिसकी कमान उत्तम सिंह को सौंपी गई है। राजिंदर सिंह टीम के उप कप्तान होंगे। टूर्नामेंट के 11वें सत्र में छह की जगह आठ टीम हिस्सा लेंगी। भारत को पूल बी में मलेशिया, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन को रखा गया है।

कोच सीआर कुमार ने विज्ञप्ति में कहा, चयन समिति ने सभी पिछले टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए ऐसी संतुलित टीम का चयन किया है जो 11वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप में प्रतिस्पर्धा कर सके और सफल हो सके।

उन्होंने कहा, हम ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और मौका दे रहे हैं जो अपने कौशल से विरोधी को पछाड़ने में सक्षम हों। कोच ने कहा, यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में हिस्सा लेने जा रहे छह देशों का आकलन करने और उन्हें समझने का मौका और यह उनकी हालात में खेला जाएगा जो दिसंबर में हमें कुआलालंपुर में मिल सकते हैं।

गोलकीपर की भूमिका मोहित एच एस और रणविजय सिंह यादव की भरोसेमंद जोड़ी को सौंपी गई है। जबकि रक्षापंक्ति में अमनदीप लाकड़ा, रोहित, सुनील जोजो, सुखविंदर, आमिर अली और योंगेम्बर रावत नजर आएंगे। मिडफील्ड में पूवन्ना सीबी, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा और अब्दुल अहद को शामिल किया गया है। अग्रिम पंक्ति में उत्तर सिंह, अरूण साहनी, अदित्य ललागे, अंगद बीर सिंह, गुरजोत सिंह और सतीश बी को जगह मिली है।

कर्नाटक ने केंद्र से राष्ट्रीय योजना के तहत रोजगार दिवसों को बढ़ाकर 150 करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत रोजगार दिवसों को 100 दिन से बढ़ाकर 150 दिन करने की अपील की है क्योंकि राज्य में भयंकर सूखा पड़ा हुआ है।

गौड़ा ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय टीम ने हाल ही में सूखे की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए राज्य का दौरा किया था। राज्य सरकार ने मांग की है कि केंद्र सरकार लगभग 475 करोड़ रुपये जारी करे, क्योंकि मनरेगा के तहत कार्यरत मजदूरों को राशि का भुगतान नहीं किया गया है। राजस्व मंत्री ने कहा कि जो लोग मजदूरी करते हैं वे अत्यधिक गरीबी में अपना जीवन जी रहे हैं। और भुगतान न करके हम उन्हें और संकट में डाल देंगे। गौड़ा ने संकट के समय में रोजगार दिवस बढ़ाने के संबंध में कहा कि कानून में प्रावधान है कि सूखे के दौरान मजदूर को 100 दिन की जगह 150 दिन काम मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसलिए कर्नाटक सरकार ने 23 सितंबर को केंद्र को अनुरोध पत्र भेजा कि वह राज्य में सूखे को देखते हुए रोजगार दिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 करने का आदेश जारी करे। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा, ''केंद्रीय टीम ने राज्य में सूखे की स्थिति का निरीक्षण किया। अगले एक सप्ताह में टीम अपनी रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को सौंपेगी। हमें उम्मीद है कि उनकी रिपोर्ट राज्य की जनता के साथ न्याय करेगी।''

गौड़ा ने कहा कि कैबिनेट उप-समिति, जिसने पहले ही राज्य के 195 तालुकों को सूखा घोषित कर दिया है, उसने अब जिला अधिकारियों को मंगलवार से 21 तालुकों का जमीनी सत्यापन करने और शुक्रवार तक एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

इसरो इस महीने गगनयान के पहले बड़े मिशन पर रवाना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इस महीने के अंत में श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष बंदरगाह से गगनयान के पहले बड़े मिशन पर रवाना होगा। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने सोमवार को यह जानकारी दी।

डा. उन्नीकृष्णन ने इसरो में आईआईटी-मद्रास के 12 पूर्व छात्रों को सम्मानित करते हुए ओवर द मून विद टीम चंद्रयान -3' नामक एक कार्यक्रम के दौरान आईआईटी-मद्रास के छात्रों और सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा,इस महीने, हम श्रीहरिकोटा से गगनयान का पहला बड़ा मिशन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा,हम इन-फ्लाइट सिस्टम का प्रदर्शन करने जा रहे हैं। मानवयुक्त मिशनों में, यह मिशन की सफलता नहीं है, बल्कि चालक दल की सुरक्षा मायने रखती है।

उन्होंने कहा,हम परीक्षण कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि एस्केप सिस्टम को बहुत उच्च विश्वसनीयता मिली है। टी एस्केप सिस्टम को ट्रांसोनिक स्थितियों में सक्रिय किया जाएगा, जो कि मैक 1.2 है और हम प्रदर्शित करेंगे कि चालक दल को कैसे बचाया जाएगा। उन्होंने कहा,हम सभी उस मिशन का इंतजार कर रहे हैं। भविष्य में कई रोमांचक मिशन हैं।

डॉ. उन्नीकृष्णन ने कहा, पिछले एक साल में, भारत ने कई मिशन लॉन्च किए हैं। असफलताएँ भी आईं और हम असफलताओं से बाहर भी आ गए लेकिन कुछ अनूठे मिशन भी थे। हमने इन्फ्लेटेबल सिस्टम का उपयोग करने के बारे में सोचा। क्या हम किसी सिस्टम को फुलाकर और उसके वेग को सुपरसोनिक स्थितियों से सब-सोनिक स्थितियों में कम करके किसी विमान या रॉकेट के हिस्से की गति को कम कर सकते हैं , ताकि हम स्टेज को ठीक कर सकें और लागत कम कर सकें।

छात्र आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहें : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री शिक्षा को कौशल और नैतिक मूल्यों से जोड़कर एक नया भारत, एक बेहतर भारत, एक आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए सभी का योगदान अपेक्षित है और छात्रों को आगे बढ़कर हाथ मिलाना चाहिए।

यहां यलहंका के रेवा यूनिवर्सिटी के आठवें दीक्षांत समारोह में अतिथि के रूप में बोलते हुए गहलोत ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में देश ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। आज हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह देश को और मजबूत करने तथा इसे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश को अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर ले जाने के लिए सभी का योगदान जरूरी है।

स्वतंत्रता की शताब्दी तक पहुंचने के लिए, अगले 24 वर्ष हमारे देश को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ देशों में लाने के कर्तव्य का स्वर्णिम काल होगा। हमें कर्तव्य की इस अवधि को अवसर में बदलने में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। युवाओं को एक सफल उद्यमी बनने का सपना देखना चाहिए और रोजगार के लिए दूसरों का मुंह नहीं देखना चाहिए, बल्कि दूसरों को रोजगार देने वाला बनना चाहिए।

गहलोत ने कहा, इसके लिए आपको आगे आना होगा और तकनीकी क्षेत्र में दक्षता हासिल करनी होगी और योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाना होगा। किसी राष्ट्र के विकास में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ऐसे में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बदलते समय और परिस्थितियों के साथ खुद को अपडेट करने और छात्रों को व्यावहारिक, सामाजिक और नए शोधों से अवगत कराने की पहल करनी चाहिए।

इस मौके पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी.जी. सीताराम, रेवा विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पी. श्याम राजू, प्रो-चांसलर उमेश एस. राजू, चांसलर, डॉ. एम. धनंजय आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मेट्रो की पर्पल लाइन पूरी तरह शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। लंबे इंतजार के बाद बेंगलूरु की पर्पल लाइन कृष्णराजपुरम-बैयप्पनहल्ली और केंगेरी-चल्लाघट्टा के बीच मेट्रो शुरू हो चुकी है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रविवार को कृष्णराजपुरम और बैयप्पनहल्ली के बीच दो खंडों और केंगेरी से आगे चल्लाघट्टा तक मेट्रो रेल सेवाओं के संचालन की घोषणा की।

बीएमआरसीएल ने एक बयान में कहा, इन दो खंडों के खुलने के साथ, पूरा ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर, व्हाइटफील्ड (काडुगुडी) से चल्लाघट्टा तक पर्पल लाइन पर 37 मेट्रो स्टेशनों के साथ कुल लम्बाई 43.49 किलोमीटर के सा थ मेट्रो ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। बीएमआरसीएल का परिचालन नेटवर्क कुल 69.66 किलोमीटर से बढ़कर अब 73.81 किलोमीटर हो गया है जिसमें 66 मेट्रो स्टेशन शामिल है। काडुगुड़ी से चल्लघट्टा तक के लिए सीधी सेवा की तैयारियां हो चुकी थी। इस रूट पर सुरक्षा की सारी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई थीं। सोमवार को बिना किसी विशेष कार्यक्रम के इस रूट पर सेवाएं शुरु कर दी गई हैं।

ब्रांड बेंगलूरु में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस रूट की चर्चा की और कहा कि लोगों की सुविधा के लिए बिना की तामझाम या कार्यक्रम के सेवाएं शुरु कर दी गई हैं। वह स्वयं आज इस रूट पर जाएंगे।

प्रदर्शन

सोमवार को भी मंड्या में कावेरी आंदोलन को जारी रखते हुए जिला रैयत हितैषी समिति के समर्थक।

दक्षिण एशिया का पहला विमान रिकवरी प्रशिक्षण स्कूल बेंगलूरु हवाई अड्डे पर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) ने सोमवार को कहा कि उसने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में दक्षिण एशिया के पहले विमान रिकवरी प्रशिक्षण स्कूल की स्थापना के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बीआईएएल ने कहा कि नव-स्थापित संस्थान पूरी तरह से अत्याधुनिक विमान रिकवरी उपकरण (डीएआरई) से सुसज्जित विशेष विमान रिकवरी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समर्पित है।

बीआईएएल के मुताबिक, कुन्ज़ जीएमबीएच एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, जर्मनी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से यह अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) द्वारा मान्यता प्राप्त ट्रेनएयर प्लस कार्यक्रम के तहत विमान रिकवरी प्रशिक्षण की पेशकश करेगा। बीआईएएल ने एक बयान में कहा, रनवे पर किसी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति में, सामान्य हवाई अड्डे के संचालन को बहाल करने के लिए त्वरित, सटीक और सुरक्षित पुनर्प्राप्ति सर्वोपरि है। प्रशिक्षित कर्मियों और उपकरणों के न होने से अनजाने में परिचालन में देरी हो सकती है और यहां तक कि विमान को द्वितीयक क्षति के संबंध में संभावित जोखिम भी पैदा हो सकता है।

भावेंद्र कुमार को केनरा बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भावेंद्र कुमार को केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने मार्च 1997 में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में बैंक जॉइन किया था। उनके पास स्नातक डिग्री है। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट हैं।

उन्होंने बैंकिंग करियर के दौरान तमिलनाडु, गुजरात, उप्र, कर्नाटक और नई दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में काम किया। इसके अलावा तीन साल के लिए शंघाई शाखा में भी कार्यरत रहे। साल 2020 में महाप्रबंधक बनने पर उन्हें बेंगलूरु में प्रधान कार्यालय में तैनात किया गया। उन्हें साल 2022 में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया। उन्होंने कार्यकारी निदेशक के पद पर पदोन्नत होने तक 2.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार के साथ दिल्ली सर्कल कार्यालय का नेतृत्व किया। उन्होंने 9 अक्टूबर को केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

भालू ने किसान को उतारा मौत के घाट

बेलगावी/दक्षिण भारत । कर्नाटक के बेलगावी जिले से सोमवार को भालू के हमले में किसान की मौत का मामला सामने आया। यह घटना खानापुरा शहर के पास घोसेबद्रुका गांव में हुई। मृतक किसान की पहचान 63 वर्षीय भीकाजी मिराशी के रूप में हुई है।

भीकाजी अपने खेत में काम कर रहा था। इस दौरान भालू ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। भालू ने किसान के शव को जंगल में दो किलोमीटर तक घसीटा और फिर छोड़ दिया। इस घटना से लोग डरे हुए हैं। खेत में काम कर रहे अन्य लोगों की मौजूदगी में भालू ने किसान पर हमला कर दिया था। हालांकि उन्होंने शोर मचाया और पत्थर फेंके, लेकिन भालू नहीं रुका।

फसल नुकसान के बाद किसान ने की आत्महत्या

चिक्कमगलुरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले में सोमवार को बारिश की कमी के कारण फसल के नुकसान के बाद 55 साल के एक किसान ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस के मुताबिक, कडूर तालुक के लिंगदहल्ली के रहने वाले किसान कृष्णा नाइक ने अपने आवास पर फांसी लगा ली। उन्होंने 3 लाख रुपये का कर्ज लिया था और अपने कृषि क्षेत्र में रागी और ज्वार की फसल बोई थी। हालांकि, बारिश नहीं होने के कारण फसल नष्ट हो गई। इसके बाद किसान ने यह कदम उठाया।

अखंडता पर वॉकथॉन

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने सोमवार की शाम 'ईमानदारी – जीवन का एक तरीका' विषय पर सतर्कता जागरूकता गतिविधियों के एक भाग के रूप में अखंडता पर वॉकथॉन का नेतृत्व किया। वॉकथॉन रेलवे इंस्टीट्यूट (दक्षिण), क्रिकेट ग्राउंड से शुरू हुआ और प्लेटफॉर्म-1, एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर समाप्त हुआ। हुब्बल्ली वर्क शॉप के कर्मचारियों ने हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 1 पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस मौके पर अतिरिक्त महाप्रबंधक यू सुब्बा राव, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी मनोरंजन प्रधान आदि वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संबोधन

जयपुर में सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित भाजपा के नेता।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

भाजपा ने 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, सात सांसदों के नाम शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए अपने 41 प्रत्याशियों की पहली सूची सोमवार को जारी की जिसमें सात मौजूदा सांसदों के नाम भी हैं। इनमें से छह लोकसभा के, जबकि एक राज्यसभा का सदस्य है।

पार्टी ने जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारने की घोषणा की है उनमें लोकसभा सदस्य नरेंद्र कुमार (मंडावा), दिया कुमारी (विद्याधर नगर), राज्यवर्धन राठौड़ (झोटवाड़ा), भागीरथ चौधरी (किशनगढ़), देवजी पटेल (सांचौर) एवं बालक नाथ (तिजारा) तथा राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा (सवाई माधोपुर) शामिल हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से नई दिल्ली में यह सूची जारी गई। प्रदेश की विद्याधर नगर सीट से मौजूदा भाजपा विधायक नरपत सिंह राजवी का नाम इस सूची में शामिल नहीं है ।

पार्टी ने गुर्जर आंदोलन के अगुवा रहे किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला को देवली उनियारा से उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह पार्टी ने कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है जबकि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चंद्रमोहन मीणा को बस्सी से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी की पहली सूची में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित छह सीटों, अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दस सीटों एवं 25 सामान्य सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। राज्य में कुल 200 सीटें हैं। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को नई दिल्ली में पांच राज्यों में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, राजस्थान राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

चुनाव में इन 15 सीट पर रहेगी सभी की नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को घोषित किये गए (चुनाव) कार्यक्रम के अनुसार मतदान 23 नवंबर को और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। राज्य विधानसभा की कुल 200 सीट में इन 15 सीट पर मुख्य रूप से सभी की नजर रहेगी:

विधानसभा चुनाव

1. सरदारपुरा: जोधपुर जिले में कांग्रेस का गढ़ कही जाने वाली सरदारपुरा सीट पर 1999 से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार जीत रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें 63 फीसदी वोट मिले थे।

2. झालरापाटन: झालावाड़ जिले में भाजपा के इस गढ़ का प्रतिनिधित्व 2003 से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कर रही हैं। राजे ने पिछले चुनाव में यहां पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह के बेटे मानवेंद्र सिंह जसोल को लगभग 35,000 मतों के अंतर से हराया था।

3. टोंक: राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व को चुनौती दे रहे कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने 2018 में यह सीट जीती थी। इस विधानसभा क्षेत्र में गुर्जर, अनुसूचित जाति और मुस्लिम मतदाताओं का अनुपात अधिक है।

4. लक्ष्मणगढ़: भाजपा इस सीट पर सिर्फ एक बार 2003 में जीती है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा 2008 से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

5. झुंझुनू: जाट नेता शीशराम ओला ने तीन बार इस सीट का प्रतिनिधित्व किया, और उनके बेटे बृजेंद्र ओला 2008 से यहां जीत रहे हैं। राजस्थान के पहले विधानसभा अध्यक्ष नरोत्तम लाल (कांग्रेस) यहीं से थे। विधानसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा सिंह यहां से छह बार निर्वाचित हुईं, जिनमें से चार बार उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की।

6. चुरू: राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने 1990 के बाद भाजपा के इस गढ़ का छह बार प्रतिनिधित्व किया है। कांग्रेस नेता डोटासरा का दावा है कि इस निर्वाचन क्षेत्र में जनता का मिजाज बदल गया है, और उन्होंने राठौड़ को चुनौती दी है कि वे यहां से फिर चुनाव लड़ें।

7. उदयपुरवाटी: हाल ही में अशोक गहलोत मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए राजेंद्र गुढ़ा ने 2008 और 2018 में बसपा के टिकट पर यह सीट जीती थी, लेकिन दोनों ही बार वह कांग्रेस में चले गए। गुढ़ा का दावा है कि उनके पास गहलोत के 'भ्रष्टाचार के विवरण वाली लाल डायरी' है। गुढ़ा हाल में एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हो गए।

8. कोटा उत्तर: 1993 से यह सीट बारी-बारी से भाजपा और कांग्रेस जीतती रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 2003 में इस सीट पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान के मंत्री और वर्तमान विधायक शांति धारीवाल इस निर्वाचन क्षेत्र से हैं, और वह चाहते हैं कि इस बार उनके बेटे को यहां से कांग्रेस का टिकट दिया जाए।

9. अंता: राजस्थान के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन अगर कांग्रेस ने उन्हें फिर से प्रत्याशी बनाया तो उन्हें अपनी ही पार्टी के भरत सिंह कुंदनपुर से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

10. उदयपुर: गुलाब चंद कटारिया इस साल की शुरुआत में असम के राज्यपाल नियुक्त किए गए, जिससे यह सीट खाली हुई। कटारिया छह बार यहां से विधायक रहे। ऐसी अटकलें हैं कि भाजपा अब यहां पूर्व मेवाड़ राजपरिवार के किसी सदस्य को चुनाव मैदान में उतार सकती है।

11. खाजूवाला: चर्चा है कि इस सीट पर दलित नेता और राजस्थान के मंत्री गोविंद राम मेघवाल तथा केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के बीच मुकाबला हो सकता है।

12. पोकरण: यहां अक्सर चुनाव धार्मिक आधार पर लड़े जाते हैं। मुस्लिम धर्मगुरु गाजी फकीर के बेटे सालेह मोहम्मद ने 2018 में हिंदू संत और भाजपा उम्मीदवार प्रताप पुरी को हराया था। दोनों का एक दूसरे से फिर से आमना-सामना होने की संभावना है।

13. बीकानेर पश्चिम: शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला इस सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत के ओएसडी (विशेष अधिकारी) लोकेश शर्मा लगातार दौरा कर रहे हैं और पार्टी के टिकट के दावेदार हो सकते हैं।

14. खींवसर: राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के प्रमुख और सांसद हनुमान बेनीवाल जाटों के गढ़ नागौर में स्थित इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। वहीं, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं नागौर की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा को उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

15. ओसियां: सचिन पायलट समर्थक दिव्या मदेरणा यहां से पहली बार की कांग्रेस विधायक हैं। लेकिन आरएलपी के बेनीवाल यहां कई रैली कर चुके हैं और उनकी पार्टी उनके लिए चुनौती खड़ी कर सकती है।

'भ्रष्टाचार, पेपर लीक जैसे मुद्दों के साथ कांग्रेस के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरेगी भाजपा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा नेताओं ने सोमवार को कहा कि पार्टी राजस्थान में भ्रष्टाचार, पेपर लीक जैसे मुद्दों के साथ कांग्रेस के खिलाफ चुनावी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि चुनाव की घोषणा होने पर पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित है और मिठाइयां बांट रहे हैं। वहीं, उपनेता प्रतिपक्ष और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा और केंद्र सरकार का काम भाजपा को बढ़त देगा और पार्टी का संगठन जमीन पर मजबूत है, जिससे पार्टी प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी।

राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद राठौड़ ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'भाजपा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। झूठ के आधार पर बनी कांग्रेस सरकार का अंत होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जनता के पैसे से खुद को चमकाने के अलावा कुछ नहीं किया। सतीश पूनिया ने कहा कि 'मोदी का चेहरा और काम पार्टी को चुनाव में बढ़त दिलाएगा।' उन्होंने कहा कि 'पार्टी का संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत है। भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी।कांग्रेस को ईवीएम पर जनता की नाराजगी का असर झेलना पड़ेगा।' पूनिया ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार, पेपर लीक, तुष्टिकरण प्रमुख चुनावी मुद्दे हैं।

राजस्थान में आचार संहिता लागू, तबादलों व नियुक्तियों पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राजस्थान में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है और इसके साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादलों पर रोक लग गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने सोमवार को यहां मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। आचार संहिता लागू होने के साथ ही राज्य में स्थानान्तरण एवं नियुक्तियों पर रोक लग गई है। अति आवश्यक होने पर राज्य सरकार निर्वाचन आयोग से मंजूरी लेने के बाद ही चुनाव से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थानान्तरित कर सकेगी।

उन्होंने कहा कि घोषित कार्यक्रम के अनुसार राज्य की सभी दो सौ सीटों के लिए आगामी 23 नवबंर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी। राज्य में कुल 5 करोड़ 27 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन दाखिल करने का काम शुरू हो जाएगा। राज्य में छह नवंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। सात नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा 9 नवम्बर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों में 34 अनुसूचित जाति, 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं । उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में सभी दो सौ सीटों पर केन्द्रीय पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया तथा उम्मीदवारों के खर्चे पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव के कानून एवं व्यवस्था के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। गुप्ता ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की पहल की गई है। इन चुनावों में पात्र 18.05 लाख से अधिक मतदाताओं को विकल्प के तौर पर ये सुविधा मिल सकेगी।

भाजपा को 'सत्ता विरोधी लहर' व मोदी का सहारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता तथा मौजूदा कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'सत्ता विरोधी' लहर के सहारे जीत का भरोसा है। राज्य में 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि तीन दिसंबर को मतगणना होगी।

भाजपा राज्य में अपने नेताओं में खींचतान पर काबू पाते हुए, सत्तारूढ़ कांग्रेस में अंदरूनी कलह का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की ताकत, कमजोरी व अवसरों और खतरों का एक विश्लेषण:

ताकत :

भाजपा के पास बूथ स्तर तक मजबूत संगठनात्मक ढांचा है। पार्टी ने चुनाव की तैयारी काफी पहले से शुरू कर दी थी। इसके साथ ही पार्टी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का फायदा मिलने की उम्मीद है। मोदी राज्य में पहले ही कई रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। इसके अलावा भाजपा की 'हिदुत्व अपील' से भी उसे वोट मिलने की उम्मीद है। पार्टी राज्य में सांप्रदायिक हिंसा के मामलों को उठाती और अशोक गहलोत सरकार को तुष्टीकरण पर घेरती भी नजर आ रही है।

कमजोरियां:

भाजपा की राजस्थान इकाई की खींचतान भले ही कांग्रेस की तरह खुली न हो लेकिन पार्टी आलाकमान को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके खेमे से सावधानी से निपटना होगा। इसके अलावा भाजपा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के मुद्दे का ढंग से बचाव नहीं कर पाई है। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के अपने आश्वासन से पीछे हट गया।

अवसर:

राज्य में 1990 के दशक से 'सत्ता विरोधी लहर' एक अहम चुनावी कारक रही है और इस बार यह भाजपा के पक्ष में एक बड़ा कारक है। पांच साल के कांग्रेस शासन के बाद, मतदाताओं का झुकाव इस बार भाजपा को सत्ता में लाने की तरफ हो सकता है। भाजपा प्रतिद्वंद्वी पार्टी की अंदरूनी कलह का फायदा उठाएगी। कांग्रेस के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट ने इस साल परीक्षा पेपर लीक जैसे मामलों को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधा था। इसके अलावा भाजपा कानून-व्यवस्था, खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर गहलोत सरकार को घेरने की कोशिश करेगी। कथित 'लाल डायरी' भी चर्चा का मुद्दा बनी हुई है।

खतरा:

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली और गहलोत सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू किए जाने से कांग्रेस की तरफ मतदाता जा सकते हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल अनेक विधानसभा सीटों पर उन जाट वोट में सेंध लगा सकते हैं जो भाजपा के पक्ष में जा सकते थे। सीमावर्ती इलाकों में नई भारतीय आदिवासी पार्टी पर भी नजर रखनी होगी।

क्या कांग्रेस को दोबारा सत्ता में ला पाएंगी गहलोत की कल्याणकारी योजनाएं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागरिकों के लिए 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और शहरी रोजगार योजना के क्रियान्वयन के साथ राज्य में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल की गयी है, वहीं चुनाव आचार संहिता लगने से ठीक पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में 'जातिगत सर्वेक्षण' की भी घोषणा कर दी।

अब सवाल यह है कि क्या गहलोत सरकार की ये योजनाएं कांग्रेस को एक बार फिर सत्ता की कुंजी दिला पाएंगी। मुख्यमंत्री गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की आपसी खींचतान से उभरते हुए 'एकजुटता' से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस के लिए एक चुनौती है। राज्य में 23 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस की ताकत, कमजोरी, अवसरों और उसके सामने मौजूद चुनौतियों का आकलन कुछ इस प्रकार है:

ताकत:

राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में अशोक गहलोत का यह तीसरा कार्यकाल है। उनके जनता से सीधे जुड़ाव, आम लोगों तक पहुंचने के व्यवस्थित कार्यक्रम और एक के बाद एक योजनाएं लागू करने को कांग्रेस के लिए 'प्लस प्वाइंट' माना जा रहा है। दूसरी तरफ राज्य में दरकिनार किए जाने के बावजूद पूर्व उप मुख्यमंत्री पायलट का करिश्मा अब भी मायने रखता है। उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोगों, खासकर युवाओं की भीड़ उमड़ती है और यह पार्टी के हित में हो सकता है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं की लंबी सूची है। इनमें 25 लाख रुपये का चिकित्सा बीमा, शहरी क्षेत्रों के लिए मनरेगा जैसी रोजगार योजना, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर और महिलाओं के लिए 'स्मार्टफोन' तथा पेंशन शामिल हैं।

कमजोरियां:

वर्तमान सरकार के लगभग पूरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंदरूनी कलह के किस्से जारी रहे। कई बार उनकी आपसी खींचतान खुलकर भी सामने आई। सवाल यह है कि जिस तरह दोनों नेताओं के बीच इस समय गतिरोध नहीं दिखाई दे रहा है, क्या वह पार्टी को पहले हो चुके नुकसान की भरपाई कर पाएगा? राज्य इकाई के पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों को विगत जुलाई में नियुक्त किया गया था और उन्हें चुनाव से पहले तैयार होने के लिए बहुत कम समय मिला है। इसके अलावा पार्टी 'पेपर लीक' सहित भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना भी कर रही है। प्रदेश में कथित 'लाल डायरी' विवाद भी कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। राज्य के एक पूर्व मंत्री ने दावा किया है कि इस डायरी में सरकार की वित्तीय अनियमितिताओं का ब्यौरा है।

अवसर :

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली को राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए फायदे के रूप में देखा जा रहा है। इस निर्णय से लगभग सात लाख कर्मचारियों और उनके परिवारों को लाभ होने का दावा किया जा रहा है। राज्य में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के भीतर कथित खींचतान को भी कांग्रेस अपने लिए लाभ के रूप में देख रही है। खासतौर पर यदि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समर्थक चुनाव प्रचार में जोर-शोर से नहीं लगते तो कांग्रेस को फायदा होने के आसार हैं।

चुनौती:

कांग्रेस के लिए राज्य में सत्ता विरोधी लहर की चुनौती भी कम नहीं है। राज्य में 1993 में भाजपा की सरकार बनने के बाद का इतिहास कहता है कि उसके बाद के विधानसभा चुनावों में एक बार कांग्रेस तो एक बार भाजपा को सत्ता की बागडोर मिलती रही है। यानी कोई भी पार्टी बीते इतने सालों में लगातार दो बार सरकार नहीं बना पाई। भाजपा सत्तारूढ़ दल पर वोटों के लिए 'तुष्टीकरण' का आरोप लगाती रही है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) द्वारा कुछ सीटों पर उम्मीदवार खड़े करना भी कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। दूसरी तरफ, नवगठित भारतीय आदिवासी पार्टी उसके लिए कुछ आदिवासी बहुल इलाकों में परेशानी बन सकती है।

विधानसभा की 200 सीटें, सवा पांच करोड़ से अधिक मतदाता

जयपुर। राजस्थान में 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को होने वाले मतदान में सवा पांच करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को नई दिल्ली में 2023 के विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

निर्वाचन विभाग के चार अक्टूबर को जारी आंकड़ों के अनुसार मतदाता सूचियों के अन्तिम प्रकाशन तक राज्य में कुल 5 करोड़ 26 लाख 80,545 मतदाता हैं। इनमें से 2 करोड़ 73 लाख 58 हजार 627 पुरुष एवं 2 करोड़ 51 लाख 79 हजार 422 महिला मतदाता शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 4 करोड़ 77 लाख 89 हजार मतदाता थे। इनमें 2 करोड़ 49 लाख 61 हजार महिलाएं और 2 करोड़ 28 लाख 27 हजार महिला मतदाता थीं।

लोकार्पण

जयपुर में सोमवार को विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करते भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया।

रेड क्रॉस सोसायटी की नवगठित समिति ने की मिश्र से भेंट

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से आज राजभवन में इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी की नवगठित राज्य शाखा के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला के नेतृत्व में शिष्टाचार मुलाकात की।

मिश्र ने नव गठित राज्य समिति के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए रेड क्रॉस के जरिए पीड़ित मानवता की सेवा के लिए सभी स्तरों पर प्रभावी कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस की जिला शाखाएं आपदा के समय ही नहीं सामान्य परिस्थितियों में भी सेवा और सहायता के लिए निरंतर तत्पर रहें। उन्होने टीबी मुक्त भारत, कैंसर, एनीमिया आदि के लिए भी रेड क्रॉस को निरंतर कार्य करने और रक्तदान से जुड़ी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने रेड क्रॉस की राज्य प्रबंध समिति, कार्यकारी समिति एवं वित्त समिति के गठन एवं इसके बाद रखी गयी प्राथमिकताओ की कार्यवाही विवरण से राज्यपाल मिश्र को अवगत कराया।

अब त्योहारों पर उपहार में चीनी सामान नहीं, उप्र के परंपरागत उत्पाद दिए जाते हैं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भदोही/लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के किसी भी देश में जाते हैं, तो वहां के राष्ट्राध्यक्ष को उत्तर प्रदेश के उद्यमियों द्वारा बनाए गए परंपरागत उत्पाद भेंट करते हैं। इससे हमारे हस्तशिल्पियों का सम्मान बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अब पर्व और त्योहारों में चीन निर्मित उत्पाद नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश का एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हस्तशिल्पी और कारीगर हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। 'एक जिला एक उत्पाद' और 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान' की योजना ने मात्र चार वर्ष में उत्तर प्रदेश के निर्यात को ढाई सौ गुना बढ़ाने में मदद की है। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सोमवार को कार्पेट एक्सपो मार्ट में चार दिन के अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले के 45वें संस्करण की शुरूआत की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के अंदर कालीन उद्योग का निर्यात लगभग 17 हजार करोड़ का है, इसमें 60 प्रतिशत योगदान उत्तर प्रदेश के तीन जनपद... भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी का है। यही कारण है कि 'टाउन्स ऑफ़ एक्सपोर्ट एक्सिलेंस टेक' पुरस्कार भी भदोही को मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा में आयोजित की गई अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का माध्यम बनी थी। यह अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला भी उत्तर प्रदेश की क्षमता को प्रदर्शित करने का दूसरा अवसर बनकर हमारे सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह मेला प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'लोकल फॉर ग्लोबल विजन' को एक नई ऊंचाई प्रदान करने का अभियान है।

उन्होंने कहा कि हमारे हस्तशिल्पियों में हुनर की कमी नहीं थी, लेकिन उन्हें तकनीक और मंच नहीं मिल पा रहा था। हमारी सरकार ने जैसे ही प्रदेश के हस्तशिल्पियों को मंच उपलब्ध कराया, तो हमारे हस्तशिल्पी वैश्विक मंच पर अपनी धाक जमाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मेले में 68 देशों के 450 से अधिक खरीदार इसका बड़ा उदाहरण है।

मिजोरम छोड़ सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ चुनावी समझौता करेगी। पार्टी अध्यक्ष मायावती ने इसकी जानकारी दी। मायावती ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी राजस्थान और तेलंगाना में अकेले चुनाव लड़ेगी लेकिन पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इन राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा की है।

'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा, 'मप्र, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ एवं मिजोरम विधानसभा चुनाव अगले महीने कराने की घोषणा का स्वागत, किन्तु चुनाव आयोग के लिए असली चुनौती सरकारी मशीनरी व धनबल आदि के दुरुपयोग को रोककर मतदान पूरी तरह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कराने की है, जिस पर लोकतंत्र का भविष्य निर्भर (है)।' उन्होंने लिखा, ''साथ ही, ख़ासकर सत्ताधारी पार्टी द्वारा चुनाव को गलत दिशा में प्रभावित करने के लिए लुभावने वादे और हवा हवाई घोषणाओं आदि पर अंकुश लगना जरूरी, जिसको लेकर मा. उच्चतम न्यायालय ने नोटिस जारी किया है।

सिक्किम में फंसे असम के 124 छात्र सुरक्षित रूप से गुवाहाटी लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि सिक्किम में अचानक आई बाढ़ के कारण वहां फंसे राज्य के छात्र सुरक्षित रूप से लौट आये हैं। उन्होंने छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए असम के अधिकारियों और सिक्किम सरकार का शुक्रिया अदा किया। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सामान्य रास्ते बंद कर दिये गए थे, इसलिए सिक्किम सरकार के साथ चौबीस घंटे समन्वय कर हम अपने छात्रों को यथासंभव कम समय में वैकल्पिक मार्गों से वापस लाने में सक्षम रहें।''

अधिकारियों ने बताया कि कुल 124 छात्र सोमवार तड़के बसों से गुवाहाटी पहुंचे। उनके साथ असम सरकार के अधिकारी थे जो उन्हें वापस लाने के लिए तैनात किये गए थे। छात्रों की अगवानी करने वाले असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्राकृतिक आपदा के कारण सिक्किम में फंसे असम के सभी छात्र सुरक्षित रूप से गुवाहाटी पहुंच गये हैं। मैंने होटल रैडिसन ब्लू में उनकी अगवानी की और राज्य में आज सुबह उनका स्वागत किया।''

कांग्रेस ने जाति जनगणना कराने और आरक्षण की अधिकतम सीमा बढ़ाने की पैरवी की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और अगले साल के लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार को सामाजिक न्याय की चुनावी राह पर मजबूती के साथ चलने का फैसला किया। उसने देश में जाति जनगणना कराने तथा अन्य पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की अधितम 50% की सीमा को बढ़ाने की पैरवी की भी की। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह निर्णय लिया कि 2024 के लोस चुनाव के बाद वह केंद्र की सत्ता में आती है तो राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना कराई जाएगी, ओबीसी महिलाओं की भागीदारी के साथ महिला आरक्षण को जल्द से जल्द लागू किया जाएगा तथा ओबीसी, एससी एवं एसटी के लिए आरक्षण की अधिकतम सीमा को कानून के माध्यम से खत्म किया जाएगा।

कांग्रेस मुख्यालय में चार घंटे तक चली कार्य समिति की बैठक में जाति जनगणना और पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की रणनीति पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। खरगे ने बैठक में दिए अपने अध्यक्षीय भाषण में सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जाति आधारित जनगणना के विषय पर मौन रहने का आरोप लगाया और कहा कि कल्याणकारी योजनाओं में उचित सहभागिता के लिए यह जरूरी है कि कमजोर तबकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के आंकड़े उपलब्ध हों। उन्होंने पार्टी नेताओं से राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए प्रभावी रणनीति बनाने पर जोर दिया और कहा कि राजनीतिक दलों के साथ ही संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी सक्रिय हैं, ऐसे में खामोश नहीं रहा जा सकता।

सरकार की नीतियों से देश में बढ़ी अमीरी-गरीबी की खाई : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए उसकी नीतियों को विभाजनकारी करार देते हुए कहा कि महंगाई एवं बेरोजगारी चरम पर है और संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ा जा रहा है तथा अमीरी-गरीबी की खाई लगातार बढ़ रही है।

खरगे ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति-सीडब्लूसी को संबोधित करते हुए कहा कि विभाजनकारी नीतियां देश के लिए चिंताजनक है। मोदी सरकार की नीतियों से अमीर और गरीब की खाई लगातार बढ रही है। संवैधानिक मूल्यों और संघीय ढांचे पर हमला हो रहा है तथा सामाजिक तनाव पैदा किया जा रहा है। महिला आरक्षण को लेकर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कि सच्चाई यह है कि महिलाओं को शक्ति देने का काम सबसे अधिक कांग्रेस ने ही किया है। उनका कहना था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की दूर दृष्टि के कारण पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिला और उसी वजह से दुनिया में सबसे ज़्यादा करीब 14 लाख चुनी हुई महिलाएं भारत में हैं। उन्होंने मोदी सरकार की महिला आरक्षण नीति को गुमराह करने वाला बताया और कहा कि आज देश भर में लोग यही सोच रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ओबीसी महिलाओं को महिला आरक्षण के दायरे में क्यों नहीं रखा। यही नहीं महिला आरक्षण को उलझाने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्त रख दी है और यह भी पता ही नहीं चल रहा है कि ये हकीकत कब बनेगा। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आने पर ओबीसी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी तय करने के साथ ही महिला आरक्षण तुरंत लागू करेगी।

पश्चिम एशिया में शांति बहाली के लिए बातचीत हो, फलस्तीनियों को अधिकार मिले : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस इजराइल और हमास के बीच संघर्ष में आम नागरिकों के मारे जाने पर दुख जताते हुए कहा कि वर्तमान संघर्ष को जन्म देने वाले अपरिहार्य मुद्दों सहित सभी लंबित मुद्दों पर बातचीत शुरू करने की जरूरत है। भारत की मुख्य विपक्षी दल की कार्य समिति ने बैठक में पारित प्रस्ताव भी तत्काल संघर्ष विराम का भी आह्वान किया और कहा कि वह फलस्तीनी लोगों के जमीन, स्वशासन और आत्म-सम्मान के साथ जीने के अधिकारों के लिए दीर्घकालिक समर्थन को दोहराती है। प्रस्ताव में कहा गया है, ''कार्य समिति पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध और एक हजार लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख और पीड़ा व्यक्त करती है। वह फलस्तीनी लोगों के जमीन, स्वशासन, और आत्म-सम्मान एवं गरिमा के साथ जीने के अधिकारों के लिए अपने दीर्घकालिक समर्थन को दोहराती है।''

बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण को पचा नहीं पा रही भाजपा: सीताराम येचुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कराए गए जाति आधारित सर्वेक्षण को ''पचा नहीं पा रही'' है, जिसके निष्कर्ष पिछले सप्ताह जारी किए गए थे।

येचुरी ने भाजपा के इस आरोप को खारिज कर दिया कि सर्वेक्षण के निष्कर्ष में विसंगतियां हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपने नौ वर्ष के कार्यकाल में राष्ट्रव्यापी जाति आधारित जनगणना क्यों नहीं करा पाई। माकपा नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है।

येचुरी ने यहां संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''हमने जाति आधारित सर्वेक्षण का हमेशा समर्थन किया है। हमारा मानना है कि राज्य सरकार ने यह काम पूरी जिम्मेदारी के साथ किया है।'' येचुरी दरभंगा और समस्तीपुर जिलों में पार्टी के कार्यक्रमों को संबोधित करने के लिए बिहार आए हैं।

येचुरी से भाजपा के इस आरोप को लेकर सवाल किया गया था कि सर्वेक्षण में कई पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय किया गया है। भाजपा का आरोप है कि आंकड़ों को इस तरह से प्रस्तुत किया गया है कि वे बिहार के सत्तारूढ़ 'महागठबंधन', विशेष रूप से इसके सबसे बड़े घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अनुकूल हैं।

माकपा नेता ने इस सवाल के जवाब में कहा, ''भाजपा वास्तविकता को पचा नहीं पा रही। यदि उसे पिछड़े वर्गों की इतनी ही चिंता थी, तो उसने जाति आधारित सर्वेक्षण क्यों नहीं कराया? वह नौ साल से सत्ता में है।'' उन्होंने एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेता एवं सांसद संजय सिंह जैसे नेताओं की गिरफ्तारी ''प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसी का खुला दुरुपयोग है।''

सेना प्रमुख ने सिक्किम में बाढ़ के हालात का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने दो दिवसीय यात्रा के दौरान अचानक आई बाढ़ से प्रभावित सिक्किम के हालात का जायजा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि जनरल पांडे ने रविवार को सेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता और जीओसी त्रिशक्ति कमान के लेफ्टिनेंट जनरल वी.पी.एस. कौशिक के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारी ने एक बयान में कहा, ''सेना प्रमुख ने सिक्किम के मुख्यमंत्री पी.एस. तमांग से बातचीत की और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।'' दौरे के दौरान जनरल पांडे ने सैनिकों से संवाद किया और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान दृढ़ता और समर्पण के लिए उनकी सराहना की।

सुलतानपुर : चिकित्सक हत्याकांड में मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के कोतवाली क्षेत्र में भूमि विवाद में कथित तौर पर एक चिकित्सक की पीट-पीट कर हत्या किये जाने के मामले में पुलिस ने सोमवार को 50 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमेन बर्मा ने सोमवार को बताया कि चिकित्सक डॉ. घनश्याम त्रिपाठी हत्याकांड से जुड़े मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह एवं उसके सहयोगी दीपक सिंह को आज पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई पूरी कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह के ऊपर 50 हजार का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक बर्मा ने यह भी बताया कि इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के पहले ही दो अन्य आरोपी जगदीश नारायण सिंह एवं विजय नारायण सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

लम्भुआ कोतवाली के सखौलीकलां के रहने वाले डॉ घनश्याम त्रिपाठी जिले के जयसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत थे। परिजनों का आरोप है कि 23 सितंबर की शाम को एक दबंग भूमाफिया ने साथियों के साथ मिलकर उनकी निर्मम हत्या कर दी थी। पोस्टमार्टम के बाद अगले दिन उनका शव करीब साढ़े तीन बजे चिकित्सक के पैतृक गांव पहुंचा तो लोगों का आक्रोश उभर कर सामने आ गया। परिजन शव का अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़े हुये थे।

'आप' राजस्थान, मप्र एवं छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने को तैयार है: केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव लड़ने के लिये तैयार है।

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए एक चरण में क्रमश: 17 नवंबर, 23 नवंबर, 30 नवंबर तथा सात नवंबर को मतदान होगा, जबकि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में सात एवं 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इन पांचों राज्यों में तीन दिसंबर को मतगणना होगी। 'आप' की चुनावी तैयारी के बारे में पूछे जाने पर केजरीवल ने कहा, हम राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जब यह पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी विपक्षी दलों के मोर्चे 'इंडिया' के हिस्से रूप में चुनाव लड़ेगी तो उन्होंने कहा, जो भी होगा बता दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में फिलहाल कांग्रेस की सरकारें हैं। कांग्रेस और 'आप' दोनों 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हैं।

मुजफ्फरनगर में 13 दूध डेयरियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की गई शिकायतों के बाद शहरी आवासीय क्षेत्र में नालियों में पशुओं के गोबर और मूत्र को बहाने के आरोप में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने 13 दूध डेयरियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने यह जानकारी दी। सिविल लाइंस थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एसएचओ ने बताया कि उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अभियंता रवीश प्रताप सिंह की शिकायत पर 13 दूध डेयरी मालिकों जुल्फेकार, शमशाद, अब्दुल समद, सुमित चौधरी, साजिद, अख्तर, नदीम, महमूद, इरफान, फौदा, आस मोहम्मद, सलीम और निखिल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

भारत के खिलाफ हार पर फिंच ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में आक्रामकता की कमी थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में इरादे की कमी थी और वे भारत के विश्व स्तरीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेलने में विफल रहे। फिंच ने कहा कि उन्हें सबसे आगे रहने के लिए अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा।

भारतीय स्पिनरों ने छह विकेट चटकाए जिससे स्पिन की अनुकूल पिच पर ऑस्ट्रेलिया की टीम 199 रन पर ढेर हो गई और उसे विश्व कप के अपने पहले मैच में भारत के खिलाफ छह विकेट से हार झेलनी पड़ी। फिंच का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कुछ अधिक सतर्कता के साथ खेले और यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम पर पिच पर उन्होंने भारतीय स्पिनरों को दबदबा बनाने का मौका दिया।

फिंच ने आईसीसी के लिए कॉलम में लिखा, ''आप इस तरह की पिच पर (रविंद्र) जडेजा, कुलदीप (यादव) और (रविचंद्रन) अश्विन को उस तरह की गेंदबाजी नहीं करने दे सकते जैसी वे करना चाहते हैं। वे इतने सटीक और इतने कुशल हैं। जडेजा ने कितनी बार ऑस्ट्रेलिया के साथ ऐसा किया है।'' उन्होंने कहा, ''यह इस पर भी निर्भर करता है कि भारत ने कैसी स्पिन गेंदबाजी की लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि ऑस्ट्रेलिया ने कैसी बल्लेबाजी की। योजना साफ थी कि उन्हें गेंदबाजों से आगे रहना होगा, खाली गेंदों को सीमित करने का प्रयास करना होगा और स्पिनरों के विश्व स्तरीय समूह के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करनी होगी।''

फिंच ने कहा, ''ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में आक्रामकता की कमी दिखी। मुझे लगता है कि उन्होंने जो इरादा दिखाया उससे वे निराश होंगे और इस तथ्य से कि वे भारत पर वापस दबाव नहीं डाल पाए। इसके लिए मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। फ्रंट फुट पर आकर खेलने का थोड़ा अधिक प्रयास करना होगा और कुछ जोखिम भी उठाने होंगे।

अतिपिछड़ों की बजाय पूंजीपतियों की हितैषी है केंद्र सरकार: जद (यू) प्रवक्ता राजीव रंजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार को पूंजीपतियों का हितैषी बताते हुए जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने सोमवार को कहा कि देश में फैली आर्थिक असमानता का दंश सबसे अधिक समाज के पिछड़े तबके को झेलना पड़ रहा है, लिहाजा इस वर्ग की वास्तविक संख्या जानने के लिए जाति आधारित गणना जरूरी है।

रंजन ने अमेरिकी मार्केटिंग एनालिसिस फर्म 'मर्सेलस इंवेस्टमेंट मैनेजर्स' की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह रिपोर्ट देश में छायी आर्थिक असमानता की 'भयावह तस्वीर' पेश करती है।

यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा, ''इस रिपोर्ट के मुताबिक अमीरों की दौलत में जहां 16 गुना बढ़ोतरी हुई है वहीं गरीबों के पैसे महज 1.4 प्रतिशत बढ़े हैं। यानी अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं वहीं गरीबों का हाल जस का तस है।'' उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक आज देश की 80 प्रतिशत दौलत सिर्फ दो लाख परिवारों के पास है। एक अन्य रिपोर्ट का हवाला देते हुए रंजन ने कहा कि आर्थिक विकास से आया 80 प्रतिशत धन सिर्फ 20 कंपनियों के खाते में जा रहा है। उन्होंने कहा, ''निफ्टी में 10 साल में कुल 116 लाख करोड़ रुपए की पूंजी बनी है, जिसका 80 प्रतिशत सिर्फ 20 कंपनियां के खातों में गया है। यह दिखाता है कि मोदी सरकार पर पूंजीपतियों का हित साधने के लगने वाले आरोप शत प्रतिशत सही हैं।''

उन्होंने सवाल किया कि भाजपा को बताना चाहिए कि उनका 'तथाकथित विकास' अमीरों की दहलीज पर क्यों रुका हुआ है?

सुविचार

कलह पर विजय पाने के लिए, मौन से बड़ा कोई शस्त्र नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंध और हिंद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान कि 'अगर पांच सौ वर्षों के बाद राम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है, तो कोई कारण नहीं कि हम 'सिंधु' (सिंध प्रांत) वापस न ले पाएं', विचारणीय है। दुर्भाग्य रहा कि इतने वर्षों तक लोग तो अपने बंगलों-मकानों में रहे, लेकिन प्रभु श्रीराम को अपनी ही नगरी में मंदिर के लिए बहुत लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। अंतत: उच्चतम न्यायालय से न्याय हुआ और भव्य मंदिर बनने का रास्ता साफ हो गया। अब, कुछ महीनों की बात और है। फिर, प्रभु श्रीराम के दर्शन सबके लिए सुलभ होंगे। हमारे लिए श्रीराम मंदिर आस्था के साथ ही इतिहास से जुड़ा हुआ अध्याय भी है। इससे युवा पीढ़ी को यह पता चला कि इस भारत भूमि पर विभिन्न कालखंडों में ऐसा क्या-क्या हुआ, जिसके कारण हमारी आस्था को चोट पहुंचाई गई, हमारे आराध्य को सदियों तक मंदिर निर्माण की प्रतीक्षा करनी पड़ी! इसी तरह, हमें इतिहास और वर्तमान, दोनों का ज्ञान रखते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि सिंध के बिना हिंद नहीं है। सिंध को हमारी संस्कृति, आस्था, इतिहास, दर्शन ... से अलग नहीं किया जा सकता। विदेशी आक्रांताओं ने सिंध को बहुत लहूलुहान किया था। भारत-विभाजन के बाद तो सिंध में अल्पसंख्यक असहाय ही हो गए। वहां आए दिन बच्चियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। पाकिस्तानी हुक्मरान सिंधी संस्कृति को नष्ट कर कट्टर विचारधारा थोपने की कोशिशें कर रहे हैं। कभी सिंध के गांव-गांव में कई मंदिर थे, आज वे अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं। जिस सिंध के व्यापार-वाणिज्य से घर-घर में समृद्धि आती थी, आज वहां खूंखार आतंकवादियों और डाकुओं के अड्डे बन चुके हैं। वहां हिंदू तो गिनती के रह गए, जिनके घरों पर हर महीने हमलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। सिंध की प्राचीन इमारतों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की जा रही है। उन्हें ढहाकर शॉपिंग मॉल खड़े किए जा रहे हैं। सिंध का बुद्धिजीवी वर्ग यह सोचकर हैरान है कि उनके साथ क्या हुआ, वे क्या थे और अब क्या हो गए!

जब हमारे युवाओं को भारत का इतिहास पढ़ाएं तो यह भी जरूर पढ़ाएं कि कराची, पेशावर, लाहौर, क्वेटा ... आदि हमसे कैसे छीने गए? उन्हें यह भी बताएं कि कराची का पंचमुखी हनुमान मंदिर, कटासराज का शिव मंदिर, बलोचिस्तान का हिंगलाज मंदिर और पीओके स्थित शारदा पीठ ... हमसे कैसे अलग किए गए? आज ढाकेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिए हमें वीजा-पासपोर्ट की जरूरत क्यों पड़ती है? जब हम इन प्रश्नों पर मनन करेंगे, इनके उत्तर ढूंढ़ेंगे तो ही अपने भविष्य को सही दिशा दे पाएंगे। आज जब पाकिस्तान में खुदाई के दौरान प्राचीन मंदिर के अवशेष निकल आते हैं तो यहां कई लोग इसी से खुश हो जाते हैं। संभवत: वे इसे अपने इतिहास की प्राचीनता को सिद्ध करने के लिए एक और प्रमाण के तौर पर लेते हैं, जबकि उन्हें इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि ऐसा क्या कारण रहा होगा कि ये भव्य मंदिर इस स्थिति में पहुंचे? हमारे उन पूर्वजों के साथ क्या हुआ था? हमारा इतिहास तो बहुत प्राचीन है ही, इसमें क्या संदेह है! हमें भविष्य के लिए भी चिंतन करना होगा, योजना बनानी होगी। भारत माता को विभाजन से जो पीड़ा हुई, वह मिटी नहीं है, बल्कि अब उसकी संतानें (भारतवासी) आतंकवाद की पीड़ा से त्रस्त हैं। हमें इनका उपचार ढूंढ़ना होगा। भारत माता को वही वैभव पुन: लौटाना होगा। आतंकवाद को नष्ट कर भारत मां के शीश पर संपूर्ण जम्मू-कश्मीर के रूप में भव्य मुकुट स्थापित करना होगा। उसकी 'दोनों भुजाओं' को 'आभूषणों' से सुसज्जित करते हुए पुन: प्रतिष्ठित करना होगा। यह कोई एक दिन या एक साल का काम नहीं है और न ही सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी है। जब बड़े फैसले लिए जाते हैं तो उसमें दशकों लग जाते हैं। यह काम कठिन जरूर है, असंभव बिल्कुल नहीं है। हां, दृढ़ प्रतिज्ञ लोग प्रतीक्षा करते हैं, वे निराश नहीं होते। ऐसे लोग ही इतिहास की धारा को मोड़ते आए हैं।

ट्वीटर टॉक

आज नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी, श्रराहुल गांधी व श्रीमती प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में सहभागिता की। इस दौरान आगामी चुनावों व पार्टी से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चिंतन हुआ।

-अशोक गहलोत

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है। गरीब कल्याण, सुशासन और विकास भाजपा शासन की पहचान रही है। मुझे विश्वास है कि इन राज्यों की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को बहुमत का आशीर्वाद देगी।

-अमित शाह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , केन्द्रीय चुनाव समिति के सभी सदस्यों एवं प्रदेश नेतृत्व का विद्याधर नगर विधानसभा से चुनाव हेतु उम्मीदवार चुनने और मुझ पर भरोसा जताने के लिए हार्दिक आभार।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मोक्ष देने वाला व्रत

आश्विन अथवा क्वार महीने के कृष्णपक्ष की एकादशी को 'इंदिरा एकादशी' कहा जाता है। पितृपक्ष के दौरान पड़ने के कारण इसका एक नाम 'पितृपक्ष एकादशी' भी है। यह व्रत भक्तों को सभी कष्टों और समस्याओं से मुक्ति दिलाने में मदद करता है। इंदिरा एकादशी की खास बात यह है कि यह पितरों की मुक्ति के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। पद्मपुराण के अनुसार इस एकादशी की ऐसी महिमा है कि जो व्यक्ति यह व्रत करके भगवान श्रीहरि विष्णु का विधिपूर्वक पूजन करता है, उसको मृत्यु के बाद भी पुण्य-लाभ मिलता है तथा उसकी सात पीढ़ियों तक पितरों को तृप्ति मिलती है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और वैकुंठ-धाम की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि इस एकादशी पर विधिपूर्वक व्रत एवं पूजन कर इसके पुण्य को पूर्वजों के नाम से दान करने वाले भक्त के पूर्वजों को तो मोक्ष मिलता ही है, साथ ही व्रत-पूजन करने वाले को स्वयं भी इसके पुण्य-प्रभाव से वैकुण्ठ-धाम की प्राप्ति होती है। पुराणों में बताया गया है कि जितना पुण्य कन्यादान अथवा हजारों वर्षों तक तपस्या करने से प्राप्त होता है, उससे भी अधिक पुण्य की प्राप्ति केवल इंदिरा एकादशी का व्रत और भगवान श्रीहरि विष्णु की विधिवत पूजा करने से हो जाती है।

सामयिक

बालिकाएं कब तक बेचारगी का जीवन जीएंगी?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

दुनियाभर में बालिकाओं की बेचारगी को दूर करने, सुरक्षित एवं सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त करने, उनके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों, उनके सुरक्षित जीवन और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में बालिकाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम क्योंकि 'मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार से संपर्क किया गया। कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम बाल विवाह को समाप्त करना था। 2023 की थीम है उसके साथ: एक कुशल लड़की का बल।

आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। सुझाव दिए गए हैं कि स्कूली पाठ्यक्रमों में यौन शिक्षा को शामिल किया जाए। लेकिन संस्कृति और परंपरा आदि का हवाला देकर इस तरह के विचारों को दरकिनार किया जाता रहा है। जबकि संवेदनशील तरीके से की गई यौन शिक्षा की व्यवस्था बच्चों को अपने शरीर और उसके साथ होने वाली हरकत को समझने और समय पर उससे बचने या विरोध करने में मददगार साबित हो सकती है। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि महिलाएं भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। उन्हें सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए बालिका दिवस के मौके पर कई देशों में कार्यक्रमों का आयोजन होता है। देश में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की शुरुआत की गयी। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। सामाजिक लोगों के बीच उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिये और समाज में लड़कियों की स्थिति को बढ़ावा देने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के समाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर (बहुत बुरा) बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते है की लड़कियाँ केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। नये तालिबानी फरमानों के अनुसार महिलाएं आठ साल की उम्र के बाद पढ़ाई नहीं कर सकेंगी। आठ साल तक वे केवल कुरान ही पढ़ेंगी। 12 साल से बड़ी सभी लड़कियों और विधवाओं को जबरन तालिबानी लड़कों से निकाह करना पड़ेगा। बिना बुर्के या बिना अपने मर्द के साथ घर से बाहर निकलने वाली महिलाओं-बालिकाओं को गोली मार दी जाएगी। दूसरे मर्द से रिश्ते बनाने वाली बालिकाओं को कोडों से पीटा जाएगा। महिलाएं अपने घर की बालकनी में भी बाहर नहीं झांकेंगीं। इतने कठोर, क्रूर, बर्बर और अमानवीय कानून लागू हो जाने के बावजूद अफगानिस्तान की पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं बिना डरे सड़कों पर जगह-जगह प्रदर्शन कर रही हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की 'वस्तु' समझकर आदमी अपने 'तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

नजरिया

स्वस्थ समाज के लिए स्वस्थ मानसिकता जरूरी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है । इस साल की थीम मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है रखा गया है। मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर समस्या के तौर पर देखी जाती है।आज के दौर में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी हैं। एक बेहतर स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ मानसिकता अत्यंत आवश्यक है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का समग्र उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास जुटाना है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले सभी हितधारकों को अपने काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है, और दुनिया भर के लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है, इसके बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन पूरी दुनिया में मानसिक बीमारी से जुड़े हुए विषय पर कई प्रकार के स्वास्थ्य संबंधित प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें लोगों को किस प्रकार आप अपने आप को मानसिक रूप से स्वस्थ रखेंगे उसके बारे में डॉक्टर के द्वारा कई प्रकार के टिप्स और जानकारी उपलब्ध करवाए जाते हैं, ताकि आप उन टिप्स और जानकारी का अनुसरण कर अपने आप को मानसिक रूप से मजबूत बना सके। तनाव, चिंता और अवसाद या फिर किसी भी तरह की मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या मानसिक रोगों की श्रेणी में आता है। मानसिक रोगी की मनोदशा और स्वास्थ्य का असर उसके स्वभाव में देखने को मिलता है। ऐसा व्यक्ति अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता है। एक सर्वे के मुताबिक देश के 59 फीसदी से अधिक लोगों को लगता है कि वह अवसाद की स्थिति से जूझ रहे हैं। लेकिन वह अपने परिवार व दोस्तों से इसका जिक्र नहीं करते हैं। क्योंकि कहीं ना कहीं आज भी मानसिक बीमारी हमारे देश एक वर्जित विषय के तौर पर देखा जाता है। मानसिक रोग के लक्षण लगातार उदास रहना मूड का बार-बार बदलना असामान्य बर्ताव करना अचानक से गुस्सा होना और अचानक से हंसना घबराहट या दर्द होना आदि।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनियाभर में 280 मिलियन (28 करोड़) से अधिक लोग डिप्रेशन के शिकार हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सामाजिक टैबू के चलते इनमें से ज्यादातर लोगों का समय पर इलाज नहीं हो पाता है। भारत में 9,000 मनोचिकित्सक हैं या प्रति 100,000 लोगों पर एक। प्रति 100,000 लोगों पर मनोचिकित्सकों की आदर्श संख्या तीन है। परिणामस्वरूप, भारत में 18,000 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी है।

मेंटल हेल्थ को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल यानी शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण गुड हार्मोन सेरोटोनिन का रिलीज कम हो जाता है, जो सीधे तौर पर मूड को ठीक रखने के लिए आवश्यक है।

मुद्दा

इजरायल पर हमला सभी को सतर्क रहने की जरूरत

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

आतंकी संगठन हमास के इजराइल पर अचानक किए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी नाकामी के साथ ही इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम पर भी सवाल उठने लगे हैं। इजराइल पर हुए इस घातक हमले के बाद भारत को भी सजग होने की जरूरत है. हमास ने जिस तरह से जल, थल और नभ से इजराइल पर आक्रमण किया है। उसने दुनिया भर को सुरक्षा के उच्च तकनीक बेचने वाले इजराइल की बड़ी चूक सामने ला दी है। दरअसल इजराइल का पूरे अरब के देशों के साथ जो तनाव है, वो 1948 में जब इजराइल की स्थापना हुई थी तभी से है। जब से 2006 में हमास चुनाव लड़के आया है तब से लगातार उसकी हिम्मत बढ़ी है। हिंसा भी बढ़ा है। इससे भारत को भी सुरक्षा की चिंता होनी चाहिए। कहा जा रहा है कि भारत की सुरक्षा पर इसका असर हो सकता है। क्योंकि इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि ये कोई छोटा ऑपरेशन या ऐक्शन नहीं है। युद्ध और देर तक चलेगा। उनकी समीक्षा सही भी है। क्योंकि करीब 22 या 23 जगह ऐसी हैं जहां जल, थल, वायु तीनों तरफ से अटैक हुआ है। जान और माल का बहुत नुकसान हुआ है। तो ये जो समीक्षा है इजराइल के प्रधानमंत्री की, कि ये देर तक चलेगा, ये सही है। कुछ देश ऐसे हैं जिन्होंने खुलकर कहा है कि जो भी इजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को बचाने के लिए जरूरतें होंगी वो उसे पूरा करने में पीछे नहीं हटेंगे। दूसरी तरफ ईरान में आज उनकी संसद में भी नारा लगाकर प्रदर्शन हुआ और कई शहरों से खबरें आ रही हैं कि जुलूस में हमास के हमले को समर्थन मिला है। हालांकि टर्की और सउदी अरेबिया ने अंकुश लगाने की कोशिश की है। तो इसमें कई दूसरे देश भी उसमें बोलते हुए नजर आते हैं। भारत ने भी हमास को आतंकी कहा है। जबकि इससे पहले भारत की सरकार लगातार हमास को एक मिलिटेंट ग्रुप का दर्जा देती थी। मौलिक तौर पर यदि ये युद्ध चलता है तो चुंकि इजराइल भारत का एक बड़ा खास दोस्त हैं इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है ।

देखा जाय तो रक्षा के उपकरणों में आज इजराइल भारत के आयात का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। उसके अलावा व्यापार में भी करीब 7.5 अरब डॉलर का व्यापार है। खासकर तकनीक को लेकर भारत और इजराइल के संबंधों को अक्सर थ्री डी यानि डिफेंस, डाइमंड,और ड्रिपिंग इरिगेशन, इस तरह से व्याख्या करते हैं। तो भारत से जो खास संबंध हैं, और खासकर प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री नेतन्याहू का जो आपस में अच्छा तालमेल है। यदि ये युद्ध चलता है देर तक, तो विश्व पर शायद इसका असर ना भी हो पर भारत की रक्षा तकनीक के नज़रिए से इजराइल से जुड़ी हुई है, तो इजराइल अगर एक लंबे युद्ध में उलझ जाता है तो शायद उसका असर भारत की जो रक्षा की तैयारी है, उस पर हो सकता है। ज़ाहिर है भारत और बहुत दूसरे देशों से भी रक्षा उपकरण लेता है और उनसे साझेदारी बनाए हुए है। पर इजराइल युद्ध का यदि असर समझना चाहें तो लगता है कि विश्व से ज्यादा भारत पर असर हो सकता है क्योंकि इजराइल का वह एक खास तरह से दोस्त है। तो इसकी भारत को समीक्षा करनी होगी।

हमास के आतंकियों ने ना सिर्फ हजारों बम बरसाए बल्कि अंदर घुसकर इजरायल के कई सैनिकों और नागरिक को भी बंधक बना लिया। ये एक नए तरह का वॉर हम देख रहे हैं। पिछले कई वर्षों से हमारी सुरक्षा एजेंसियां आम नागरिको को सुरक्षा देने में काफी सफल रही है। लेकिन अब इस नए तरह के खतरे से निपटने के लिए भारत को हर तरह से चौकन्ना रहना ही होगा । क्यूकि इजराइल पर हमले के दिन की चुनाव जिस तरह से हुआ है वह बड़ी सोची समझी साजिश के तहत हुआ है । इजराइल का सिमचैट टोहरा साल में सबसे एक तरह से खुशी वाला दिन होता है। उस दिन शायद कुछ हद तक जो चौकन्ना रहने की जरूरत थी, उतना शायद इजराइल ना रहा हो। ये जो इतना बड़ा जो हमला हुआ है उसके बारे में कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि शायद ये इजराइल के इतिहास में 1948 के बाद पहला इतना बड़ा हमला है। या फिर जो 1973 मे जिसे हम योम किप्पूर वॉर भी कहते हैं और उसमें इजिप्ट और सीरिया की तरफ से हमला हुआ था। अब तो इसकी उम्मीद नहीं थी। पिछले 50 साल से कुछ ऐसा हो नहीं रहा था।

शायद वो खास दिन जो चुना गया था साथ ही शायद इजरायल के राजनीतिक हालात में अंदरूनी अस्थिरता है। पिछले 4 साल में पांच बार चुनाव हुए हैं। इतने प्रदर्शन हो रहे सरकार को लेकर और 14 अक्टूबर से वहां की संसद जिसे नेसेट कहते हैं, उस का अधिवेशन होने वाला था। तो अंदरूनी सत्ता को लेकर भी कुछ लोग इस तरह से अटकलें लगा रहे थे कि क्या कारण हो सकता है कि इजराइल जो हमेशा इतना चौकन्ना रहता है अपनी सुरक्षा को लेकर, ये नहीं भांप पाया पहले से कि इस तरह से कोई बड़ा अटैक है, वो होने वाला है। पर इसकी तो बाद में समीक्षा होगी कि क्या कारण रहा हो सकता है। इन हमलों के बाद जिस तरह से पश्चिमी देशों के भी और अरब देशों के भी रिऐक्शन आ रहे हैं, क्या ऐसा लग रहा है कि दुनिया फिर खेमों में बंटती नजर आ रही है और अगर ऐसा है तो एक तरह से अच्छा संकेत नहीं है इसमें और खासकर जब इसको थोड़ा सा यूक्रेन युद्ध के साथ भी जोड़के देखते हैं तो यूक्रेन युद्ध के चलते खेमों में विश्व बंटता हुआ नजर आता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गरबा

गरबा प्रेमी सोमवार को अहमदाबाद में नवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में गरबा नृत्य का अभ्यास करते हुए।

इजराइल पर हमास के हमले में नेपाल के 10 नागरिकों की मौत

काठमांडू/भाषा

फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के रॉकेट हमलों में इजराइल में नेपाल के 10 नागरिकों की मौत हो गयी तथा चार अन्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। हमास ने शनिवार को दक्षिणी इजराइल में हवाई हमले किए जिसमें सैनिकों समेत कम से कम 700 लोगों की मौत हो गयी और करीब 2,000 लोग घायल हुए हैं। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हमास के अहम ठिकानों पर हमले किए। इजराइल और गाजा में करीब 1,000 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में बताया कि इजराइल में हमास के हालिया हमले में 10 नेपाली नागरिकों की मौत हो गयी। उसने बताया कि किब्बुत्ज एलुमिम में एक खेत में काम कर रहे नेपाल के 17 नागरिकों में से दो को सुरक्षित बचा लिया गया, चार घायल हो गए तथा एक अभी लापता है। यरुशलम में नेपाल दूतावास ने एक बयान में कहा, ''हमें उस घटनास्थल से 10 नेपाली नागरिकों की मौत की सूचना मिली है जहां हमास ने हमला किया था।''

सैन्य सूत्रों के अनुसार, हमास के हमले में मारे गए सभी 10 लोग पश्चिमी नेपाल में सुदूर पश्चिम विश्वविद्यालय के कृषि पाठ्यक्रम के छात्र थे। इजराइल में अभी नेपाल के 4,500 नागरिक देखरेख कर्मी के तौर पर काम रहे हैं। इजराइली सरकार के 'लर्न एंड अर्न' कार्यक्रम के तहत इजराइल में नेपाल के कुल 265 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। उनमें से 119 कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय के, 97 त्रिभुवन विश्वविद्यालय के और 49 सुदूर पश्चिम विश्वविद्यालय के हैं। उनमें से सभी कृषि पाठ्यक्रम के स्नातक स्तर के छात्र हैं। दूतावास ने कहा, ''हम घटना में मारे गए लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। एक लापता नेपाली नागरिक की तलाश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शिनाख्त होने के बाद शव जल्द ही नेपाल लाए जाएंगे।'' नेपाल सरकार ने इजराइली सरकार से अनुरोध किया है कि जिन घायलों का इलाज हो रहा है, उनके लिए आवश्यक बंदोबस्त किए जाएं।

इज़राइल-हमास युद्ध

कौन जीतेगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, फायदे में ईरान रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डेनवर (अमेरिका)। इजरायल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच छिड़े युद्ध में केवल एक ही विजेता होगा। और यह न तो इज़राइल है और न ही हमास। अल-अक्सा स्टॉर्म नामक एक ऑपरेशन में, हमास, जिसका औपचारिक नाम इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन है, ने 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल में हजारों रॉकेट दागे।

सैकड़ों इसराइली मारे गए, 2,000 से अधिक घायल हुए और कई को बंधक बना लिया गया। जवाब में, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर युद्ध की घोषणा की और गाजा में हवाई हमले शुरू कर दिए। फ़लस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जवाबी हमले के पहले दिन में लगभग 400 फ़लस्तीनी मारे गए। आने वाले हफ्तों में, इजरायली सेना निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई करेगी और सैकड़ों फ़लस्तीनी आतंकवादियों और नागरिकों को मार डालेगी।

मध्य पूर्व की राजनीति और सुरक्षा के एक विश्लेषक के रूप में, मेरा मानना है कि दोनों पक्षों के हजारों लोग पीड़ित होंगे। लेकिन जब धुआं शांत हो जाएगा, तो केवल एक ही देश के हित पूरे होंगे और वह देश है ईरान। पहले से ही, कुछ विश्लेषक सुझाव दे रहे हैं कि इज़राइल पर अचानक हुए हमले में तेहरान की उंगलियों के निशान देखे जा सकते हैं। ईरान के नेताओं ने हमले पर प्रोत्साहन और समर्थन के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

ईरान की विदेश नीति को आकार देने वाला निर्णायक कारक 1979 में अमेरिका के मित्रवत, दमनकारी ईरान के शाह को उखाड़ फेंकना और शिया मुस्लिम क्रांतिकारी शासन के हाथों में राज्य की सत्ता का हस्तांतरण था। उस शासन को अमेरिकी साम्राज्यवाद और इजरायली यहूदीवाद के घोर विरोधी के रूप में परिभाषित किया गया। इसके नेताओं ने दावा किया कि क्रांति सिर्फ भ्रष्ट ईरानी राजशाही के खिलाफ नहीं थी; इसका उद्देश्य हर जगह उत्पीड़न और अन्याय का मुकाबला करना था, और विशेष रूप से उन सरकारों का मुकाबला करना था जो अमेरिका द्वारा समर्थित थीं – उनमें से प्रमुख था इज़राइल। ईरान के नेताओं के लिए, इज़राइल और अमेरिका अनैतिकता, अन्याय और मुस्लिम समाज और ईरानी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। इज़राइल के प्रति महसूस की जाने वाली स्थायी शत्रुता शाह के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों और ईरानी लोगों के निरंतर उत्पीड़न में इज़राइल की भूमिका के कारण कम नहीं हुई। अमेरिकी सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के साथ मिलकर, इज़राइल की खुफिया सेवा, मोसाद ने शाह की गुप्त पुलिस और खुफिया सेवा, सवाक को संगठित करने में मदद की। इस संगठन ने शाह के सत्ता में पिछले दो दशकों के दौरान असंतुष्टों को दबाने के लिए तेजी से कठोर रणनीति पर अमल किया, जिसमें सामूहिक कारावास, यातना, गायब कर देना, जबरन निर्वासन और हजारों ईरानियों की हत्या शामिल थी।

फ़लस्तीनी मुक्ति के लिए समर्थन ईरान के क्रांतिकारी संदेश का केंद्रीय विषय था। 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण – इजरायल के खिलाफ लेबनान स्थित फ़लस्तीनी हमलों के प्रतिशोध में – ने ईरान को लेबनान में इजरायली सैनिकों को चुनौती देकर और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव पर अंकुश लगाकर अपनी यहूदी विरोधी बयानबाजी पर कायम रहने का अवसर प्रदान किया।

भारत में वर्ष 2020 में समय पूर्व जन्म के मामले दुनियाभर में सबसे अधिक

नई दिल्ली/भाषा

भारत में वर्ष 2020 के दौरान समय पूर्व जन्म के 30.2 लाख मामले दर्ज किये गये जो दुनियाभर में सर्वाधिक है। यह संख्या इस अवधि में दुनियाभर में समय पूर्व जन्म के कुल मामलों के 20 फीसदी से अधिक है। 'द लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और ब्रिटेन स्थित 'लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन' के शोधकर्ताओं के शोध से पता चला है कि वर्ष 2020 में दुनियाभर में समय से पहले जन्म के 50 प्रतिशत से अधिक मामले सिर्फ आठ देशों में दर्ज किये गये।

शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन देशों में समय पूर्व जन्म के सर्वाधिक मामले सामने आए उनमें भारत के बाद क्रमश: पाकिस्तान, नाइजीरिया, चीन, इथियोपिया, बांग्लादेश, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और अमेरिका शामिल हैं।

इन देशों और क्षेत्रों में समय पूर्व जन्म के अधिक मामले इन देशों की बड़ी आबादी, कुल जन्म की अधिक संख्या और लचर स्वास्थ्य प्रणाली को दर्शाते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2020 की शुरुआत में 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने जन्म लिया जिनमें से करीब 10 लाख बच्चों की मौत समय पूर्व जन्म संबंधी जटिलताओं के कारण हो गई। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा विश्वभर में समय पूर्व (गर्भवस्था के 37 सप्ताह के पहले) जन्मे 10 बच्चों में से एक के समतुल्य है। शोधकर्ताओं ने कहा, ''चूंकि समय से पहले जन्म बच्चों की प्रारंभिक वर्षों में मृत्यु का प्रमुख कारण है, इसलिए समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों की देखभाल के साथ-साथ रोकथाम के प्रयासों – विशेष रूप से मातृ स्वास्थ्य और पोषण – दोनों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''समय पूर्व जन्मे जो बच्चे जीवित बचते हैं, उनके बड़ी बीमारियों के चपेट में आने, विकलांगता और विलंबित विकास, मधुमेह और दिल की बीमारी से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है।''

यह अध्ययन जनसंख्या-आधारित और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि डेटा के आधार पर आकलन करता है ताकि वर्ष 2020 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनीय देश-स्तरीय आकलन तैयार किया जा सके।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यद्यपि अधिकतर समय पूर्व जन्म दर के मामले कम आय और मध्यम आय वाले देशों और क्षेत्रों में हैं, लेकिन यूनान और अमेरिका जैसे उच्च आय वाले देशों में भी 10 प्रतिशत या उससे अधिक की दर देखी गई है।

बैठक

नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोमवार को नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के दौरान पार्टी नेता राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल के साथ।

सलमान ने भांजी के साथ शेयर की तस्वीरें

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने अपनी भांजी अलीजेह अग्निहोत्री के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। अलीजेह सलमान की बहन अल्वीरा खान और उनके पति व एक्टर-प्रोड्यूसर अतुल अगिनहोत्री की बड़ी बेटी हैं। सलमान खान ने अपनी भांजी को अपने फेमस ब्रैंड 'ह्यूमन बीइंग' में शामिल कर लिया है, जिसके लिए फोटोशूट हुआ।

पहली तस्वीर में दोनों डेनिम शर्ट और जींस में दिख रहे हैं। अलीजेह ने सलमान को पीछे की तरफ से पकड़ा हुआ है और फोटो के ऊपर लिखा है- से हेलो टू माय। अगली तस्वीर में अलीजेह पूरी तरह से ब्लैक ड्रेस और जैकेट पहने हैं, जबकि सलमान ने ब्लैक टी-शर्ट, पैंट और मैचिंग विंटर जैकेट पहना हुआ है। इस फोटो पर लिखा है- 'डिजाइन फॉर लव'। अलीजेह के साथ दो तस्वीरें साझा करते हुए, सलमान ने इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, ''जीन्स में है लव एंड केयर, हम सिर्फ हम हैं... महिलाओं के बिल्कुल नए कलेक्शन में अलीजेह अग्निहोत्री।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान 'टाइगर 3' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इसमें कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी हैं। यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होने वाली है। अलीजेह 'फर्रे' से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

लघु फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' दर्शकों को लुभा रही

नयी दिल्ली/वार्ता

फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित और एच.जी. वेल्स द्वारा रचित लघु फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' दर्शकों को लुभा रही है। फिल्म को अधिकतर कश्मीर में फिल्माया गया है।

इसमें कलाकारों द्वारा पहनी गयी विशिष्ट पोशाकें प्रसिद्ध टीवी और सिनेमा कॉस्ट्यूम डिजाइनर 'द क्रीन ऑफ कॉस्ट्यूम' की ज़ेबा साजिद ने तैयार की हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'लिहाफ़' (2019) में भी पोशाकें तैयार की थी और उनके द्वारा तैयार की गयीं विशिष्ट पोशाकें को देखकर दर्शक आश्चर्यचकित थे। उन्हें विश्वास है कि एक फिर अपने द्वारा डिजाइन किए गए विशिष्ट परिधानों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगी।

इस फिल्म को फिल्माने से पहले नेत्रहीन लोगों के दैनिक जीवन के सार और बुनियादी काम करने के दौरान उनके द्वारा किए जाने वाले संघर्षों को समझने के लिए नेत्रहीन लोगों पर आधारित कई फिल्में देखीं। सुश्री ज़ेबा बताती हैं कि उन्होंने प्रत्येक किरदार के लिए जो पोशाकें डिज़ाइन कीं, वे न तो दर्जी द्वारा बनाई गईं और न ही मशीन से बनाई गईं। सभी पोशाकें नेत्रहीनों की भूमिका में रहकर तैयार की गयी हैं।

इस फिल्म में अनूठे तरीके से जीवन को बिताते हुए दिखाया गया हैं, जिसमें अभिनेत्री हिना खान को दो अलग-अलग रंगों की चप्पलें पहने हुआ दिखाया गया है। वह बताती हैं कि कैसे उन्होंने अपनी प्री-प्रोडक्शन चर्चाओं के दौरान दृष्टिबाधित लोगों के साथ जंगलों में रहने वाले मनुष्यों के रूप में पात्रों की कल्पना की। इस फिल्म को छह अक्टूबर को अमेरिका में रिलीज किया गया है।

'गणपत : ए हीरो इज बॉर्न' ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गणपत : ए हीरो इज बॉर्न' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह डायस्टोपियन फ्यूचरिस्टिक वर्ल्ड में ले जाता है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन और दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन हैं। 2 मिनट 27 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत साइबर सिटी के शहरी परिदृश्य से होती है।

इसमें शहर के खंडहरों को दिखाया गया है और यहां वॉयस ओवर शुरु होता है, जोकि टाइगर के बारे में बताता है। वॉयसओवर में कहा जाता है कि एक दिन एक ऐसा योद्धा पैदा होगा, जो अमर होगा। वो अमीरों और गरीबों की बीच की दीवार गिराएगा। वो योद्धा मरेगा नहीं सिर्फ मारेगा। इसके बाद साइबरपंक प्रोडक्शन डिजाइन और एलिमेंट्स के शॉट्स आते हैं, इसके बाद बॉडी के क्लोज़-अप शॉट्स के साथ टाइगर को दिखाया जाता है। ट्रेलर में कृति भी एक्शन करती नजर आ रही हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन की स्क्रीन पर दमदार एंट्री होती है।

ट्रेलर में बिग बी कहते हैं कि अमीरों को उनके प्लान की भनक लग गई है और उनके लीडर को सिर्फ पैसों से मतलब है। इस कहानी की एक नई शुरुआत होती है। टाइगर श्रॉफ दुश्मनों से बदला लेने के लिए गुड्डु से गणपत बन जाते हैं। ट्रेलर में हाईं प्रोडक्शन वैल्यू, बूमिंग साउंडस्केप, ग्रिपिंग बैकग्राउंड स्कोर, इसके मुख्य कलाकारों द्वारा शानदार परफॉर्मेंस के साथ पॉलिश वीएफएक्स शामिल हैं। पूजा एंटरटेनमेंट गुड कंपनी के सहयोग से 'गणपत : ए हीरो इज बॉर्न' प्रस्तुत कर रहा है, जिसका निर्देशन विकास बहल ने किया है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को दुनिया भर में हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज के लिए तैयार है।

कृष चौहान का शो 'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई' होगा बंद

मुंबई/एजेन्सी

'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई' में मुख्य भूमिका निभाने वाले एक्टर कृष चौहान ने पुष्टि की कि टीवी शो बंद हो रहा है। इस शो में रानी अहिल्याबाई की भूमिका में एक्ट्रेस एतशा संसगिरी हैं। शो का फाइनल एपिसोड 27 अक्टूबर को प्रसारित होगा और टीम वर्तमान में अंतिम एपिसोड की शूटिंग कर रही है। उन्होंने कहा, इस अविश्वसनीय शो को अलविदा कहना मेरे लिए वास्तव में मुश्किल है, जो पिछले कुछ सालों से मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। जब मैं यहां बिताए गए सफर के बारे में सोचता हूं, तो मैं खुद को यहां से जुड़ा पाता हूं और इस बात से मायूस हो जाता हूं कि अब यह बंद हो रहा है। लेकिन मायूसी के बीच, मैं उन अविस्मरणीय अनुभवों और अवसरों के लिए कृतज्ञता से भरा हुआ हूं जो यह शो मेरे जीवन में

लाया है। एक अभिनेता और एक व्यक्ति दोनों के रूप में यह विकास की एक अविश्वसनीय यात्रा रही है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे बेहद प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है, जो मेरा दूसरा परिवार बन गई। साथ में, हमने स्क्रीन पर जादू पैदा किया है, जो हमारे दर्शकों के दिलों को छू गया है। शो ने न केवल मुझे अपने एक्टिंग स्किल्स को प्रदर्शित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म दिया है, बल्कि मुझे दृढ़ संकल्प और कहानी कहने की शक्ति के बारे में मूल्यवान सीख भी दी है। शो में कृष ने दो अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 2001 के दौरान युवा खंडेराव होल्कर (अहिल्याबाई के पति) की भूमिका निभाई और वर्तमान में अहिल्याबाई के बेटे माले राव होल्कर की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, इस शो में मैंने जो किरदार निभाए हैं, वे मेरे बहुत करीब हैं और हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेंगे और मेरे लिए हमेशा सबसे यादगार और प्यारे किरदार रहेंगे। इन किरदारों ने मुझे प्यार और ताकत की भावना सिखाई है।

उन्होंने कहा, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई शो बंद हो सकता है, लेकिन इसका प्रभाव और इसकी प्रतिभाशाली टीम का प्रदर्शन हमेशा हमारे दिलों में रहेगा। 4 जनवरी 2021 को प्रीमियर हुआ ऐतिहासिक शो रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1767 से 1795 तक मालवा क्षेत्र पर शासन किया था। यह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता था।

फिल्म 'धक-धक' ट्रेलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

रत्ना पाठक शाह और फातिमा सना शेख की मच अवेटेड फिल्म 'धक धक' का आज ट्रेलर रिलीज हो गया है। मेकर्स ने आज महिला केंद्रित फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दर्शकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इस फिल्म में रत्ना पाठक शाह, फातिमा सना शेख, दीया मिर्जा और संजना सांघी पहले कभी न देखे गए अंदाज में नजर आने वाली हैं। 'धक धक' का ये दमदार ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिलते नजर आ रहा है। 'धक धक' चार ऐसी महिलाओं की कहानी है जो समाज की बंदिशों को तोड़ते हुए बाइक चलाने का शौक रखती हैं। ये चारों महिलाएं अलग उम्र वर्ग और अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखती है। सब कुछ अलग होने के बावजूद इनके दिलों में बाइकिंग के लिए जो प्यार है वो इन्हें एक-दूसरे से जोड़ता है और एक-दूसरे के करीब लाता है। फिल्म की कहानी की झलक दिखाते हुए 'धक धक' के ट्रेलर में ये साफ कर दिया गया है कि इस फिल्म में चार अलग-अलग महिलाओं के बीच जैसी बॉन्डिंग दिखने वाली है, वैसी शायद ही आपने किसी और फिल्म में देखी होग। ये चार महिलाएं सात दिन की बाइक ट्रिप पर जाती हैं जिस दौरान उन्हें उस आजादी का अनुभव होता है जो उन्हें शायद पूरी जिंदगी में कभी नहीं हुआ था। 13 अक्टूबर को होगी रिलीज

वायकॉम 18 स्टूडियोज की इस फिल्म को कई महिला केंद्रित फिल्मों में नजर आ चुकीं तापसी पन्नू, प्रांजल खंडड़िया, आयुष माहेश्वरी ने प्रोड्यूस किया है। 'धक धक' के निर्देशन की कमान डायरेक्टर तरूण डुडेजा ने संभाली है। 'धक धक' महिलाओं के बीच के अनकहे रिश्ते को पर्दे पर एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने जा रहे जैसे आज तक हिंदी सिनेमा में कभी नहीं किया गया था। ये फिल्म इस शुक्रवार यानी 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 10-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी बीते रविवार को ऑनलाइन आयोजित हुई । वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर की अध्यक्षता में आयोजित रचना गोष्ठी में मुख्य अतिथि थे कविता के मीमांसाकार एवं गजलगो प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप। गोष्ठी का संचालन आनंद दाधीच ने किया।

'एक शाम सच्चियाय माता मन्दिर के नाम' विशाल भक्ति भजन संध्या 15 को

संचेती व बैद परिवार ने लिया भजन संध्या कार्यक्रम का लाभ
मंदिर निर्माण को लेकर सच्चियाय माता भक्तों में विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सच्चियाय माता जैन संघ के तत्वावधान में भव्य मंदिर निर्माण योजना के सहयोगार्थ एक विशाल भक्ति भजन संध्या 'एक शाम मां तेरे मंदिर के नाम' का आयोजन 15 अक्टूबर को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राईन सभागार में रखा गया है। संघ के अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा ने जानकारी देते हुए कहा कि सम्पूर्ण भक्ति कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थीद्वय गौतमचंद उत्तमचन्द संचेती परिवार और हनुमानमल संजयकुमार बैद परिवार हैं। इस भजन संध्या में बालोतरा से सुप्रसिद्ध भजन गायक वैभव बाघमार भजनों की प्रस्तुति देंगे। साथ ही भक्ति संध्या में अनुष्ठान और हवन विधि शहर के पंडितवर्य मुकेशकुमार शर्मा करवाएंगे।

रांका स्टील के बाबूलाल रांका परिवार ने सम्पूर्ण मंदिर निर्माण का लिया लाभ

संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी अशोक रांका ने बताया कि सच्चियाय माताजी के शुद्ध सफेद मन्दिर के सम्पूर्ण निर्माण का लाभ बेंगलूरु स्थित रांका स्टील के दानवीर बाबूलाल, अशोककुमार, पवनकुमार, विक्रमकुमार, शेषकुमार रांका परिवार ने प्राप्त किया है। संघ के महामंत्री अरुण भन्साली ने 15 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि प्रातः नौ बजकर अठारह मिनट पर शुरु होने वाले इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणपति पूजन, अन्नपूर्णेश्वरी माता पूजन, 108 जोड़ों द्वारा पूरे दिन चलने वाले नवचण्डी हवन और शाम को पूर्णाहुति होगी। शाम को भक्ति संध्या की शुरुआत में मंगलाचरण और गणेश वन्दना के पश्चात श्री सच्चियाय माताजी का पूजन करके चूंदड़ी और छप्पन भोग अर्पण किया जाएगा और भक्ति संध्या के दौरान माताजी के आशीर्वाद के रुप में लकी ड्रा भी निकाला जाएगा।

कार्यक्रम में मंदिर निर्माण की योजनाओं का लाभ लेने का मिलेगा अवसर

संघ के कोषाध्यक्ष कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक सरकार के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शामिल होंगे। उन्होंने आगे मन्दिर निर्माण की जानकारी देते हुए बताया कि बिडदी के पास 72,000 वर्ग फीट का विशाल भूखंड खरीदा जा चुका है और सभी भक्तों के लिए मेरी माताजी, मेरा मंदिर और मेरा भाग योजना के अन्तर्गत 'मां तेरा तुझको अर्पण' की तर्ज पर प्रति स्क्वायर फीट भूमिदान योजना बनाई गई है जिसका नकरा प्रति फीट सिर्फ 1,971 रुपये रखा गया है ताकि माताजी के प्रत्येक भक्त मन्दिर निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सके। योजना के अन्तर्गत 11 वर्ग फीट का लाभ लेने वाले परिवार के दो नाम प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका में अंकित होगा और 108 वर्ग फीट के लाभार्थी परिवार के दो नाम या फर्म का नाम मंदिर परिसर में उचित स्थान पर शिलालेख पर अंकित किया जाएगा। भंवरलाल गादिया और माणकचन्द गुलेच्छा ने बताया कि ट्रस्ट में 141 ट्रस्टी बनाए गए हैं। मोतीलाल बाफना और अनिल गादिया ने शहर के सभी मां भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है भक्ति संध्या कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था में अशोक चोरड़िया, कांतिलाल गादिया, अमित मेहता, राजेन्द्र दांतेवाडिया, रमेश बाफना, रोशन बाफना और सुरेशकुमार सुजानी तैयारियों में जुटे हुए हैं। यह जानकारी संघ के ललित डाकलिया ने दी।

'शब्द' की रचनागोष्ठी में चला गीतों का जादू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी बीते रविवार को ऑनलाइन आयोजित हुई । वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर की अध्यक्षता में आयोजित रचना गोष्ठी में मुख्य अतिथि थे कविता के मीमांसाकार एवं गजलगो प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप। गोष्ठी का संचालन आनंद दाधीच ने किया। कवयित्री गीता चौबे गूँज के मंगलाचरण से शुरू हुई इस आभासी रचना गोष्ठी में अल्मोड़ा से डॉ शशि जोशी, गाजियाबाद से शैलजा सिंह, कारवार कर्नाटक से सरिता सैल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदी विभाग के प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप तथा अमरीका से डॉ रमाकांत गुप्ता जुड़े थे।

गोष्ठी में 'शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट, सचिव डॉ उषारानी राव, युवा गीतकार लोकेश मिश्र तथा ब्रजेन्द्र मिश्र ज्ञासु की कविताएँ एवं गीत खूब सराहे गये। कवयित्री शैलजा सिंह ने जब गाना शुरु किया, जादूगरनी हूँ मैं जादू-टोना कर दूँगी / आसमान के सूरज को भी बौना कर दूँगी तो उसका श्रोताओं पर जादुई असर दिखा । उन्होंने एक से बढ़कर एक कई गीत सुनाए। इसी तरह अल्मोड़ा से जुड़ीं डॉ शशि जोशी की सस्वर प्रस्तुति ने भी खूब वाहवाही लूटी। सरिता सैल की कविता स्त्री विमर्श से प्रभावित थी। मुख्य अतिथि प्रो वशिष्ठ अनूप ने अपने उद्गार में 'शब्द' के साहित्यिक संवर्धन-प्रयासों की सराहना की तथा रचनाकारों से कविता की रचना-प्रक्रिया में सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि साहित्य-सृजन एक अनवरत प्रक्रिया है और सृजन का कर्म सोद्देश्य होता है। उन्होंने अपनी कई गजलों के मिसरे सुनाये और दो मुकम्मल गजलें भी सुनायीं। गोष्ठी में कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा, वरिष्ठ कवयित्री डॉ रचना उनियाल, अचला सिन्हा, ऋता मधु शेखर, गीता चौबे गूँज, डॉ रमाकांत गुप्ता, स्वीटी सिंघल, उर्मिला श्रीवास्तव तथा पल्लवी प्रकाश की काव्य-प्रस्तुतियाँ भी प्रभावी रहीं। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर का काव्य पाठ हर बार की तरह सराहनीय रहा। रचना गोष्ठी की शुरुआत में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने उपस्थित रचनाकारों का स्वागत करते हुए कविता को सर्वश्रेष्ठ कला रचना बताया और कहा कि सच्ची कविता निष्काम अथवा निर्लिप्त नहीं होती, बल्कि प्रतिपक्ष की रचना करती है। ऐसी रचना के लिए साधना जरूरी होती है। 'शब्द' साहित्य संस्था की मासिक रचना गोष्ठी इसी भाव से आयोजित होती है। कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करने के साथ रचना गोष्ठी संपन्न हुई ।

आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शनार्थ रवाना हुआ 350 यात्रियों का यात्रा संघ

यशवंतपुर तेरापंथ सभा ने विभिन्न लाभार्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा यशवंतपुर के नेतृत्व में गुरु दर्शनार्थ यात्रा संघ सोमवार को ट्रेन द्वारा यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से तेरापंथ सभा अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा के नेतृत्व में रवाना हुआ। ज्ञातव्य है कि यह यात्रा संघ मंगलवार को मुंबई स्थित नंदनवन में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी आदि के दर्शनार्थ पहुंचेगा ।

सभा अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा ने रेलवे स्टेशन पर सभी यात्रियों का स्वागत किया। तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने इस विशाल यात्रा संघ की कुशलता की मंगलकामना की। लगभग 350 यात्रियों के इस यात्रा संघ के प्रायोजक कुलदीप,दीपक,लवेश कातरेला परिवार, किट प्रायोजक जीतमल ,दीपक ,हितेश सेठिया, गिफ्ट प्रायोजक गौतमचंद,विनोद,प्रमोद,विकाश मुथा परिवार,प्रकाशचन्द, दीपक, विकास बाबेल परिवार तथा पारसमल जीगर,मेघा मारूपरिवार का पदाधिकारियों ने स्टेशन पर रवानगी से पूर्व सम्मान किया इस यात्रा का संयोजक दीपक सेठिया, विकास बाफना, जितेंद्र पितलिया, विनोद मुथा के साथ अनेक युवा कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था संभाली। सभा के मंत्री महावीर ओस्तवाल ने यात्रा की समय सारिणी व नियमों की जानकारी दी। इस संघ में शांतिलाल भंसाली,राकेश गादिया, सुनील बाबेल, सम्पत डूंगरवाल, महिला मंडल से रेखा पितलिया, नीतू बाबेल, प्रीति गादिया सहित पारसमल भंसाली, ललित आच्छा, रमेश बाबेल,नवनीत मुथा आदि उपस्थित रहे ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

मैसूरु के भारतीय जैन संगठन की ओर से जीवदया क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट व अनुकरणीय सेवाएं देने पर मैनाकंवर-सोहनलाल बाघमार को 'बीजेएस सेवा शिरोमणि अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीजेएस कर्नाटक राज्य के उपाध्यक्ष प्रकाश गुलेच्छा, जोन अध्यक्ष सुखराज विनायकिया, बीजेएस मैसूरु के अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, सचिव खुशल पालरेचा, सहसचिव नेमीचंद बड़ोला, स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष सुभाषचंद धोका, सचिव बुधमल बाघमार, सुमतिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष भेरूमल राठोड़, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश दक रॉयल आदि ने बाघमार दम्पति का सम्मान किया ।

खागा प्रतिनिधियों ने बिक्रीकर आयुक्त से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन(खागा) के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, सचिव कैलाश बालर, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, सह सचिव बिशनसिंह विराणा, सिद्धार्थ जैन, जोगेश जैन ने कर्नाटक के बिक्रीकर आयुक्त सी. शिखा व एडीशनल आयुक्त के. रामन से मुलाकात कर वर्तमान में कपड़ा बाजार में हो रही अधिकारियों द्वारा विभागीय जांच के बारे में जानकारी हासिल की। आयुक्त ने बताया कि यह विभाग द्वारा स्वाभाविक जांच है, जब भी प्रदेश में नई सरकार आती है तो सरकार की पॉलिसी के अनुसार कार्य होता है।

इसमें व्यापारियों को किसी प्रकार की चिन्ता करने की कोई बात नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारियों को जीएस के नियमानुसार अपना व्यवसाय करने की बात कही एवं आश्वस्त किया कि विभाग हमेशा व्यापारियों के साथ है। खागा प्रतिनिधि मंडल ने दशहरा एवं दीपावली के त्यौहार को देखते हुए विभागीय जांच में सकारात्मक रुख का निवेदन किया

बसंत बेताला बने जीतो जेबीएन टाइकूंस के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के जेबीएन टाइकूंस के नए अध्यक्ष पद पर बसंत बेताला को नियुक्त किया गया तथा हर्ष चोरडिया को उपाध्यक्ष व शैलेश श्रीश्रीमाल को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में उपस्थित जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने कहा कि जेबीएन व्यवसायियों एवं पेशेवरों की उन्नति के लिये समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी ने कहा कि भारत भर के सभी जेबीएन चेप्टरों में बढ़ती सदस्य संख्या से व्यवसायियों के लिये जुड़ाव का एक मजबूत मंच तैयार हो रहा है। सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने कहा कि जेबीएन का दृष्टिकोण केवल सदस्यों के व्यवसाय तक ही सीमित नहीं है बल्कि देने की भावना के साथ समग्र समाज की व्यापारिक बढ़ोतरी भी है।

नए अध्यक्ष बसंत बेताला ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी छह माह के लिए अपने कार्यकाल के दृष्टिकोण एवं लक्ष्यों को प्रस्तुत किया। जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सभा में उपस्थित 50 सदस्यों के बीच 114 रेफ़रल के माध्यम से लगभग 84 लाख का व्यापार हुआ।

टाइकूंस में विनय राठौड़ एवं हार्दिक शाह को नये सदस्यों के रूप में सम्मिलित किया गया। प्रज्वल गिरिया ने व्यापारिक शक्ति के महत्व विषय पर प्रस्तुति दी। उपाध्यक्ष हर्ष चोरडिया ने बैठक का संचालन किया। सचिव शैलेश श्रीश्रीमाल धन्यवाद दिया। बैठक में जेबीएन सहसंयोजक मदन मुणोत भी उपस्थित थे।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की दुर्गा पूजा की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सार्वजनिक दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें इस वर्ष और ऐतिहासिक ढंग से मनाने का प्रयास किया जा रहा है। पूजा यजमान प्रजेश झा ने बताया कि 15 अक्टूबर को अभिजीत मुहूर्त में विनायक कल्चरल हॉल में कलश स्थापना की जाएगी। पूजा आचार्य प्रवर पंडित रामानंद चौधरी, विनोद झा, पंडित राजगुरु, जयशंकर मिश्रा, उमेश पांडे आदि विधि विधान करवाएंगे। प्रथम दिन शैलपुत्री की पूजा होगी, संध्या में भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तदुपरांत आरती एवं महाप्रसाद की व्यवस्था है। प्रतिदिन सुबह में पूजा एवं सप्तशती पाठ उपरांत 11:30 बजे मंगल आरती एवं संध्या 6:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 19 अक्टूबर को मां भगवती की प्रतिमा आ जाएगी तथा 20 को बिल्व आमंत्रण किया जाएगा।

21 को दिन में भगवती का लोचन विमोचन होगा एवं रात्रि में महानिशा पूजा होगी। अष्टमी को आगामी वर्ष का कैलेंडर का विमोचन किया जाएगा। नवमी 23 को दिन में कुमारी पूजन एवं हवन तथा 24 को प्रतिमा विसर्जन , जयंती धारन,शोभा यात्रा एवं अलसूर लेक में मूर्ति को जल में प्रवाहित किया जाएगा।

इस बैठक में महिला मंडल एवं युवा मंडल के सदस्यों में पूरा उत्साह दिखाई दिया। इस बैठक में हरिश्चंद्र झा, राजेश्वर सिंह, सीके करूण, रामलखन सिंह, प्रजेश झा, डॉक्टर विनयकुमार यादव, विनय कुमार, उदय कुमार, मिंटू दुबे, आरके सिंह, जितेंद्र झा, डेजी शर्मा, उषा झा, हीरा झा, प्रवीण उपाध्याय, रविकुमार, संजय सिंह, मुन्ना सिंह, पंकज सिंह ,निधि श्रीवास्तव, शीला देवी, बेबी मिश्रा,राजगुरु, दीपेश कुमार आदि उपस्थित थे।

राहुल की जुबान फिसली, भाजपा बोली: कांग्रेस नेता ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार स्वीकारी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद सोमवार को जब इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे, तो उनकी जुबान फिसल गई, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले ही राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार स्वीकार कर ली है।

राहुल गांधी ने पार्टी की कार्य समिति बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मध्य प्रदेश में सरकार जा रही है, राजस्थान में जा रही है, छत्तीसगढ़ में भी जा रही है....।'' उन्हें तत्काल अपनी गलती का अहसास हुआ और फिर उन्होंने कहा, ''मैं उल्टा बोल गया...आपने (पत्रकार) मुझे भ्रमित कर दिया।''

तेयुप राजाजीनगर के रक्तदान शिविर में 17 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर से लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से क्रांतिवीर संगोली रायन्ना रेलवे स्टेशन पर मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। ब्लड बैंक के सहयोग से संपादित शिविर में 17 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। ब्लड बैंक ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए धन्यवाद व्यक्त दिया। इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर से कमलेश चोरड़िया, राजेश देरासरिया, सुनील मेहता, ललित मुणोत, अजिंक्या चौधरी, योगेश मेहता, मोहन चोरडिया, प्रमोद मेहता,संयोजक विनोद कोठारी एवं चेतन मांडोत का सहयोग रहा।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com